सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

हल्दी एवं अदरक प्रसंस्करण विधियां...... पेज: 7

यूके की गलियों में शूटिंग कर रहे अहान पांडे, साथ में नजर पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 65 | शनिवार 06 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

बॉर्डर सुरक्षा पर गृह मंत्री का बड़ा बयान, कहा- नया डेमोग्राफिक चेंज मंजूर नहीं, हर खामी होगी दूर

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव को बर्दाश्त नहीं करेगी और केंद्र सरकार देश की सीमाओं की सुरक्षा में मौजूद खामियों को दूर करने के लिए कदम उठा रही है। शाह ने त्रिपुरा में लंकामुरा सीमा चौकी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि सरकार की 'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा... अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की निगरानी और सुरक्षा में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए केंद्र हरसंभव प्रयास कर रहा है।'' गृह मंत्री ने कहा, '''स्मार्ट बॉर्डर' की अवधारणा को प्रायोगिक परियोजना के रूप में देश के सात से आठ स्थानों पर लागू किया जाएगा।''

सूरत से पीएम मोदी का राहुल गांधी पर बड़ा हमला, बोले- निराशावादी उड़ाते हैं 'आत्मनिर्भर भारत' का मजाक

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के सूरत में एक जनसभा को संबोधित किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश में कुछ निराशावादी लोग हैं जो लगातार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का मजाक उड़ाते हैं और राष्ट्र के इस संकल्प को कमतर आंकते हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस को निशाना बनाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये लोग भूल जाते हैं कि दूसरों पर निर्भर देश कभी भी विकास की उन ऊंचाइयों को हासिल नहीं कर सकता जिनका वह वास्तव में हकदार है। आज देश में कुछ निराशावादी लोग हैं जो लगातार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का उपहास उड़ाते हैं। वे राष्ट्र के इस संकल्प को लगातार कमतर आंकते हैं। ये वे लोग हैं जिन्होंने हमेशा भारत

को अन्य देशों पर निर्भर रखा है; वे भूल जाते हैं कि दूसरों पर निर्भर देश कभी भी विकास की उन ऊंचाइयों को प्राप्त नहीं कर सकता जिनका वह वास्तव में हकदार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पिछले 12 वर्षों से अराजकता और अनिश्चितता फैलाकर अवसर तलाश रही है, लेकिन देश की जनता ने उसे बार-बार मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने आगे कहा कि गुजरात की जनता ने कांग्रेस को हाशिये पर धकेल दिया है, लेकिन जहां कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां भी जनता पार्टी के कुशासन से तंग आ चुकी है। अभी हाल ही में हिमाचल प्रदेश में भी स्थानीय निकाय चुनाव हुए। वहां कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। हिमाचल प्रदेश की जनता ने कांग्रेस के कुशासन को नकार दिया है। इससे

आज देश में कुछ निराशावादी लोग हैं जो लगातार......

राहुल गांधी और कांग्रेस को निशाना बनाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये लोग भूल जाते हैं कि दूसरों पर निर्भर देश कभी भी विकास की उन ऊंचाइयों को हासिल नहीं कर सकता जिनका वह वास्तव में हकदार है। आज देश में कुछ निराशावादी लोग हैं जो लगातार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का उपहास उड़ाते हैं।

पहले, कांग्रेस हरियाणा में स्थानीय निकाय चुनाव हार गई थी, और पंजाब की जनता ने भी पार्टी को स्पष्ट संदेश दिया है... अराजकता के बीच अवसर तलाशने की कांग्रेस की राजनीति नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि दुनिया अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। कुछ समय पहले मैंने कहा था कि यह दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक साबित हो रहा है। हाल के दिनों में हमने एक के बाद एक वैश्विक आपदाएं देखी हैं। पहले कोविड-19 के कारण भीषण संकट आया; फिर विभिन्न स्थानों पर युद्ध छिड़ गए, और एक गंभीर ऊर्जा संकट ने पूरी दुनिया को अस्त-व्यस्त कर दिया है। दुनिया भर में पेट्रोल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव हो रहा है, और गैस आपूर्ति श्रृंखलाएं चरमरा रही हैं। मुझे इस बात से अत्यंत संतोष है कि 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक प्रयासों से देश हर संकट का मजबूती से सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को लेकर जनता में भारी असंतोष है, और यही कारण है कि पार्टी को वहां अपना मुख्यमंत्री बदलना पड़ा। ह्लभारत नकारात्मकता से बहुत आगे निकल चुका है; यह आशावाद से परिपूर्ण और असाधारण आकांक्षाओं से प्रेरित राष्ट्र है। इसके नागरिक सपनों और दृढ़ संकल्प से भरे हुए हैं, और जनता उस संकल्प को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। जब राष्ट्र की सामूहिक इच्छाशक्ति इतनी दृढ़ होती है, तो वह किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है और इसी में भारत की सच्ची शक्ति निहित है।

झारखंड राजनीति में नया ट्विस्ट, राज्य सभा सीट पर जेएमएम के दावे से इंडिया गठबंधन में खींचतान

झारखंड एजेंसी: मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) द्वारा राज्य में होने वाले दोनों राज्यसभा सीटों पर अपना दावा जताने के बाद झारखंड में भारतीय गठबंधन के भीतर दरार के नए संकेत उभर आए हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कांग्रेस पहले ही एक सीट के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा कर चुकी है, जिससे गठबंधन के साझेदारों के बीच संभावित टकराव की स्थिति बन गई है। जेएमएम विधायकों, मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद इस मुद्दे ने जोर पकड़ा, जहां पार्टी ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति पर चर्चा की। विचार-विमर्श के बाद, राज्य मंत्री योगेंद्र महतो ने संकेत दिया कि पार्टी के भीतर इस बात पर व्यापक सहमति है कि

जेएमएम को दोनों रिक्त सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए। जेएमएम नेतृत्व ने दोनों सीटों पर दावे का समर्थन किया बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए महतो ने कहा कि पार्टी के विधायक, सांसद और मंत्री इस बात पर एकमत हैं कि जेएमएम को राज्यसभा की दोनों सीटों पर प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इस मामले पर अंतिम निर्णय लेने और पार्टी के भीतर समन्वय सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब सोरेन के पास अधिकार होने के कारण, सभी की निगाहें मुख्यमंत्री पर टिकी हैं, जिनसे पार्टी के अंतिम उम्मीदवारों का चयन करने और गठबंधन सहयोगियों के साथ बातचीत की रणनीति तय करने की उम्मीद है। कांग्रेस की घोषणा से राजनीतिक समीकरण बदल गया जम्मू-मालिक-मालिक (जेएमएम) का यह ताजा बयान कांग्रेस द्वारा राज्यसभा चुनाव के लिए सात उम्मीदवारों की सूची जारी करने और झारखंड से प्रणव झा को अपना उम्मीदवार घोषित करने के ठीक एक दिन बाद आया है। कांग्रेस की इस घोषणा को व्यापक रूप से इस संकेत के रूप में देखा गया कि पार्टी गठबंधन के सीट बंटवारे में अपना हिस्सा बरकरार रखना चाहती है। हालांकि, जेएमएम के इस नए रुख ने चुनाव से पहले राजनीतिक समीकरणों में एक नया आयाम जोड़ दिया है। यदि जेएमएम औपचारिक रूप से दोनों सीटों पर उम्मीदवार उतारने का फैसला करती है, तो आने वाले दिनों में गठबंधन के भीतर चर्चाएँ तेज होने की संभावना है।

बंगाल में हार के बाद ममता का नया गेम प्लान? यूसुफ पठान की सीट से लड़ेंगी लोकसभा चुनाव!

नई दिल्ली एजेंसी: तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो ममता बनर्जी लोकसभा में जाने पर विचार कर रही हैं, क्योंकि पार्टी के निचले सदन में असहमति की खबरें आ रही हैं। यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल विधानसभा के 2026 चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हाथों उनकी पार्टी की हार के बाद सामने आया है, जहां उन्हें केवल 80 सीटें मिली थीं। खबरों के मुताबिक, टीएमसी सांसद यूसुफ पठान को बहरामपुर लोकसभा सीट खाली करने के लिए कहा जा सकता है ताकि बनर्जी को निचले सदन में जाने का रास्ता मिल सके। पठान, जो 2011 विश्व कप विजेता टीम के पूर्व भारतीय क्रिकेटर हैं, ने 2024 के संसदीय चुनावों में बहरामपुर सीट से कांग्रेस के दिग्गज

नेता अधीर रंजन चौधरी को लगभग 85,000 वोटों के अंतर से हराया था। बनर्जी पहले भी लोकसभा सदस्य रह चुकी हैं और कलकत्ता दक्षिण (जिसे अब कोलकाता दक्षिण के नाम से जाना जाता है) से छह बार सांसद रह चुकी हैं। हालांकि, उन्होंने अपना पहला लोकसभा चुनाव 1984 में जादवपुर निर्वाचन क्षेत्र से जीता था, जिसमें उन्होंने सीपीआई (एम) के दिग्गज नेता सोमनाथ चटर्जी को हराया था। वह 2011 तक लोकसभा सदस्य रहीं और उसी वर्ष राज्य चुनावों में टीएमसी की जीत के बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा में चली गईं। बनर्जी का लगातार दूसरी बार लोकसभा में जाने का यह कदम ऐसे समय आया है जब कई खबरों में दावा किया गया है कि निचले सदन में पार्टी के भीतर विद्रोह पनप रहा है। खबरों के मुताबिक, टीएमसी के कई वरिष्ठ सांसद पार्टी के कामकाज को लेकर पार्टी नेतृत्व से नाराज हैं और तृणमूल छोड़ने की योजना बना रहे हैं। टीएमसी के कई सांसदों ने भी खुलकर अपनी असंतुष्टि व्यक्त की है। इनमें वरिष्ठ सांसद काकोली घोष दस्तीदार भी शामिल हैं, जिन्हें बनर्जी का करीबी माना जाता है। चार बार की सांसद बारासात ने भी टीएमसी के कल्याण बनर्जी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने सदन के अंदर उनके साथ मौखिक दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है।

अकेले बनाऊंगा अपना रास्ता, रजनीकांत का ऑफर ठुकराकर अन्नामलाई ने किया नई पार्टी बनाने का ऐलान

नई दिल्ली एजेंसी: इस्तीफा देने के बाद अन्नामलाई ने कहा कि मैं भाजपा पर बोझ नहीं बनना चाहता था। भाजपा से अलग होने के बावजूद, अन्नामलाई ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बहुत सम्मान करते हैं और अपने पूरे राजनीतिक सफर में पार्टी नेतृत्व द्वारा दिखाए गए भरोसे और अवसरों के लिए आभारी हैं। अपने इस्तीफे के फैसले के बारे में विस्तार से बताते हुए, तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि तमिलनाडु में पार्टी की भविष्य की दिशा और राजनीतिक रणनीति को लेकर मतभेदों के बीच वे पार्टी के लिए परेशानी का सबब नहीं बनना चाहते थे। रजनीकांत ने मुझे अपने साथ जुड़ने का अनुरोध किया था, लेकिन मैं अपना खुद का राजनीतिक आंदोलन शुरू करूंगा। भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के तुरंत बाद, के. अन्नामलाई ने शुक्रवार को दावा किया कि दिग्गज

अभिनेता रजनीकांत ने उनसे हाथ मिलाने का अनुरोध किया था, हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि उन्होंने इसके बजाय अपना खुद का राजनीतिक आंदोलन शुरू करने का विकल्प चुना है। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी से अपने इस्तीफे की घोषणा की और कहा कि वे एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरूआत करेंगे, जो राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव होगा। भाजपा से अलग होने के बाद समर्थकों को संबोधित करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि वे एक स्वतंत्र राजनीतिक मार्ग अपनाएंगे और तमिलनाडु की राजनीति में एक नया रास्ता बनाने के लिए अकेले संघर्ष करेंगे। तमिलनाडु भाजपा प्रमुख नैनार नागेंद्रन ने गुरुवार को कहा कि उन्हें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई के इस्तीफे के बारे में अभी तक आधिकारिक तौर पर सूचित नहीं किया गया है और इसलिए वे इस मामले पर टिप्पणी नहीं कर सकते। चेन्नई में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए नागेंद्रन ने कहा कि मुझे अभी तक अन्नामलाई के इस्तीफे के बारे में सूचित नहीं किया गया है

गुजरात में ऑपरेशन डेल्टा हंट का बड़ा कार्रवाई, 568 अवैध बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली एजेंसी: ऑपरेशन डेल्टा हंट के तहत, गुजरात पुलिस ने शुक्रवार सुबह 8 बजे तक राज्य भर में 568 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 172 पुरुष, 282 महिलाएं और 114 बच्चे शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि ये सभी राज्य के विभिन्न हिस्सों में बिना वैध कानूनी दस्तावेजों के रह रहे थे। उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि राज्य सरकार गुजरात की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित मामलों में कोई समझौता नहीं करेगी। राज्य की सुरक्षा और शांति को लेकर कोई समझौता नहीं: सरकार संघवी ने कहा कि राज्य की सुरक्षा और शांति को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि अवैध घुसपैठियों और अवैध रूप से बसने वालों के खिलाफ यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा। राज्य सरकार ने कहा कि सभी जिलों में पुलिस टीमें उन क्षेत्रों में लगातार तलाशी और दस्तावेज सत्यापन अभियान चला रही हैं जहां अवैध प्रवासियों के रहने का संदेह है। इसके अलावा, उन नेटवर्कों की पहचान करने के लिए जांच चल रही है जिन्होंने भारत में उनके प्रवेश, बसने या रोजगार में मदद की हो सकती है। गुजरात पुलिस ने कहा कि आव्रजन कानूनों और अन्य लागू कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले सभी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान राज्य सरकार के कानून व्यवस्था को और मजबूत करने और अवैध आव्रजन और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित चिंताओं को दूर करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने गुरुवार को पिछले दो दिनों में गुजरात के विभिन्न हिस्सों से ऑपरेशन डेल्टा हंट के तहत अवैध रूप से देश में रहने के

यूपी में सरकारी वकीलों की फीस 50% बढ़ी, अधिवक्ताओं ने सीएम योगी का जताया आभार, 10 साल बाद वकील हुए खुश...

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न अदालतों में राज्य सरकार की ओर से पैरवी करने वाले शासकीय अधिवक्ताओं की रिटेनरशिप एवं बहस फीस में वृद्धि किए जाने के निर्णय का अधिवक्ता समुदाय ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया है। राज्य के महाधिवक्ता और उनकी पूरी टीम ने इसे ऐतिहासिक निर्णय बताया है। यहां जारी बयान में अधिवक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अदालतों में राज्य के हितों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने की आवश्यकता को समझते हुए इस विषय पर पहल की और अब प्रदेश मंत्रिमंडल ने रिटेनरशिप एवं बहस फीस में ऐतिहासिक वृद्धि का निर्णय लेकर अधिवक्ता समुदाय की लंबे समय से चली आ रही अपेक्षा को पूरा किया है। बयान के अनुसार, यह निर्णय केवल फीस वृद्धि का विषय नहीं है, बल्कि न्यायिक व्यवस्था को अधिक सक्षम, उत्तरदायी और

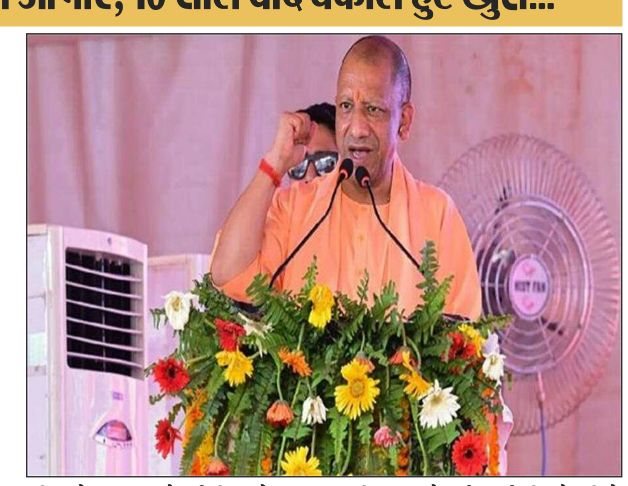

परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे अदालतों में राज्य सरकार के मामलों की गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध पैरवी को और बल मिलेगा। महाधिवक्ता अजय मिश्र ने कहा कि विभिन्न श्रेणी के पैनल अधिवक्ताओं तक इस निर्णय का व्यापक लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि बदलते न्यायिक परिदृश्य, मुकदमों की बढ़ती संख्या, जटिल विधिक विषयों तथा अधिवक्ताओं की बढ़ी जिम्मेदारियों को देखते हुए पारिश्रमिक संरचना के पुनरीक्षण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। विशेष रूप से जनपद अदालतों के अधिवक्ताओं की फीस में लगभग 10 वर्ष तथा महाधिवक्ता स्तर पर लगभग 14 वर्ष बाद संशोधन किया जाना प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता और दूरदर्शिता को दर्शाता है।

गिलगित-बाल्टिस्तान में आम चुनाव कराने जा रहे पाकिस्तान को भारत ने लगाई करारी फटकार

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक ब्रीफिंग में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने विभिन्न सवालों के जवाब देते हुए भारत-अमेरिका ट्रेड डील, अवैध प्रवासन, भारत के पड़ोसी देशों के साथ संबंध और वैश्विक साझेदारियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर भारत का पक्ष विस्तार से रखा। इसके साथ ही भारत सरकार ने एक बयान जारी कर पाकिस्तान द्वारा अवैध कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र गिलगित-बाल्टिस्तान में तथाकथित ह्लजनरल इलेक्शनह्व कराने की योजना पर कड़ा एतराज जताया है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान 7 जून 2026 को तथाकथित ह्लगिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभाह्व के चुनाव कराने जा रहा है, जिस पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया दर्ज कराई है। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्रशासित प्रदेश, जिनमें तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान भी शामिल है, भारत का अभिन्न हिस्सा हैं। सरकार ने दोहराया है कि 1947 में जम्मू-कश्मीर का भारत में विधिसम्मत, पूर्ण और अपरिवर्तनीय विलय हो चुका है। नई दिल्ली ने यह भी कहा कि पाकिस्तान की इस तरह की

गतिविधियां वहां हो रहे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों, राजनीतिक दमन, आर्थिक शोषण और लोगों की स्वतंत्रता के हनन जैसे मुद्दों से ध्यान नहीं भटका सकतीं। भारत ने साफ शब्दों में कहा है कि पाकिस्तान द्वारा अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थिति बदलने की किसी भी कोशिश को पूरी तरह खारिज किया जाता है।

पाकिस्तान द्वारा अवैध कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र गिलगित-बाल्टिस्तान में तथाकथित जनरल इलेक्शन कराने की योजना पर भारत ने कड़ा एतराज जताया है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान 7 जून 2026 को तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा के चुनाव कराने जा रहा है, जिस पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया दर्ज कराई है।

भारत सरकार ने जोर देकर कहा है कि पाकिस्तान आज भी अवैध रूप से भारतीय क्षेत्रों पर कब्जा जमाए हुए है और उसे इन्हें तत्काल खाली करना चाहिए। जहां तक प्रेस वार्ता के दौरान प्रवक्ता रणधीर जायसवाल की ओर से दिये गये बयानों की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते तथा द्विपक्षीय व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने को लेकर बातचीत सकारात्मक और रचनात्मक रही है। इस संबंध में वाणिज्य मंत्रालय पहले ही प्रेस विज्ञप्ति जारी कर चुका है। जायसवाल ने बताया कि अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय से मुख्य वातार्कार अपने दल के साथ भारत आए थे और दोनों पक्षों ने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। वहीं अवैध रूप से भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों के मुद्दे पर विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत के पास ऐसे मामलों से निपटने के लिए कानूनी व्यवस्था मौजूद है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि यदि कोई विदेशी नागरिक, जिसमें बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल हैं, अवैध रूप से भारत में रह रहा है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि निर्वासन की प्रक्रिया के लिए भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय व्यवस्था लागू है। भारत ऐसे मामलों को बांग्लादेशी पक्ष के पास नागरिकता सत्यापन के लिए भेजता है और पुष्टि होने के बाद निर्वासन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती है।

संपादकीय

बूढ़ी पटरियों पर

न ट्रेन की आवाज में अंतर और न ही गति में कोई फर्क, फिर भी हरी झंडियों ने नैरो गेज लाइन पर कांगड़ा घाटी रेल की तारीफ कर दी। फिलहाल दो ही रेल गाडि?ां पठानकोट से बैजनाथ तक के सफर को आबाद करेंगी। कांगड़ा रेलवे स्टेशन पर हुआ ह्यझंडी समारोहह्न बताता है कि हम पुरानी ईंटों से घर बनाते हैं, जश्न को कंधों पर उठाते हैं। वाकई जश्न के अधिकारी हमारे सांसद थे, जिनके प्रयास चार साल मेहनत करने के बाद, समझ पाए कि कांगड़ा की जनता क्या चाहती है। कहां तो ब्रॉड गेज रेल की सीटियां सुनाई गईं और कहां हवाला यह कि मात्र दो रेलगाडि?ां बंधकों की तरह सुबह सवेरे ही पठानकोट के सुख चैन को नुकसान पहुंचाए बिना निकल आएंगी। एक ट्रेन सुबह पांच तो दूसरी सात बजे पठानकोट से चलेगी, जबकि जनता का आग्रह तो कुछ भिन्न है। उसे दिन में दौड़ती ट्रेनें चाहिएं और वापसी भी सारा दिन चाहिए। गनीमत यह कि अंग्रेजों की पटरी पर हम पुनः अपने सफर की रवानगी करते हुए दिखाई दिए। यह ट्रेन अपने नए उद्घाटन को याद रखेगी और खुश होगी कि राजनीतिक मंच बूढ़ी पटरियों पर भी पसर सकता है। इस दौरान हम गुमराह होने के लिए इसी ट्रेन पर गौरव हासिल करते रहेंगे। हमें याद है पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्र में मंत्री रहे शांता कुमार खाका खींचते रहे कि पठानकोट से ब्रॉडगेज पटरी पर नया आसमान खुलेगा। उनके नक्शे सेना की योल छावनी व होल्टा कैंप से निकलकर, रेल विस्तार का बड़ा चित्र पेश करते रहे। इतना ही नहीं वर्तमान सांसद डा. राजीव भारद्वाज भी सपनों की रेल चलाने की कामना में राजनीतिक पत्ते खेलते रहे। वाकई हमारे नेता जादूगर हैं और हम हैं भोली भाली जनता जिसे फख्र होता है कभी कांग्रेस के पल्ले और कभी भाजपा की महफिल में नाच देख कर। सही में कहें तो हमारी योजनाओं का कूड़ेदान बदलता रहता है, लेकिन जनता एक स्थायी दर्शक की तरह इंतजार करती है कि कभी तो मंचों से हकीकत के फासले कम होंगे। कांगड़ा अब विडंबनाओं का चिडि?ाघर है और जहां नेताओं के असफल अध्याय इस क्षेत्र के सपनों को बार-बार बर्बाद करते रहे हैं। राज्य की राजनीति हो या केंद्र की भागीदारी हो, कांगड़ा-चंबा का मुकद्दमा यहां के नेता ही हार रहे हैं। जिन्हें रत्ती भर भी संदेह हो, वे पठानकोट-मंडी या कांगड़ा-शिमला फोरलेन के हिस्से देख लें। कब जसूर या मलां के फ्लाईओवर बन जाएंगे, किस सांसद या किस विधायक से पूछें। कांगड़ा सुरंग पर अटकीं फोरलेन की सांसें कौन बहाल करेगा। ट्रेन के हवाले से हिमाचल को अगर गौरव हासिल हुआ है तो हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के ऊना से गुजरती ब्रॉडगेज लाइन पर देखना पड़ेगा। देखना पड़ेगा कि अंब-अंदौरा तक आ पहुंची वंदे भारत ट्रेन का महत्त्व क्या है। इतना ही नहीं सांसद अनुराग ठाकुर के प्रयासों से अब अंब-अंदौरा से हिमाचल पूरे देश से जुड़ता है। ऐसे में पठानकोट से ब्रॉडगेज का गर्द उड़ाने वाले कांगड़ा के सांसद व नेता सोच लें कि अगर वंदे भारत ट्रेन चाहिए, तो अंब-अंदौरा से रेलवे की उस ब्रांच की मांग करें, जो चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, कांगड़ा, चामुंडा तथा बैजनाथ जैसे तीर्थ स्थलों को जोड़ दे।

चिंतन-मनन

दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं

मनुष्य-जीवन नाना प्रकार के प्रपंचों और प्रवृत्तियों का पुंज है। हम सब में अनेक भाव-कुभाव प्रत्येक पल मन-हृदय से टकराते रहते हैं। हमारा जीवन इन्हीं अच्छाइयों-बुराइयों के बीच व्यतीत होता रहता है। प्रेम और घृणा, उपकार और अपकार भी हमारे जीवन के अनिवार्य अंश हैं। जीवन में उपकार की प्रवृत्ति का अत्यंत महत्व है। दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं। इन्हीं से उपकार की भावना जाग्रत होती है। उपकार से व्यक्ति श्रेष्ठ बनता है। किसी आपदा में पड़े व्यक्ति का आप उपकार करके देखें। उसका तो कल्याण होगा ही, किंतु इससे आपका मन प्रसन्नता से भर जाएगा। आपका रोम-रोम प्रफुल्लित हो उठेगा और आपके अंग-अंग में सैकड़ों सुमन खिलकर मुस्कराने लगेंगे। 1निःस्वार्थ उपकार में मिला सुख आपके जीवन को सार्थक कर देगा। कभी-कभी आप हम देखते हैं कि अचानक संकट की घड़ी में जब केवल भगवान का सहारा होता है, तब कोई आकर आपकी ऐसी सहायता कर देता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती। सहायता करने वाला व्यक्ति मात्र भगवत प्रेरणा के चलते ही अयाचित उपकार करके आपको चकित कर देता है, किंतु ऐसा करके उसे जो संतुष्टि मिलती है वही उसका समुचित पुरस्कार है। सच्चे मन और बिना किसी लालच के किया गया उपकार श्रेष्ठ माना गया है। इस उपकार के बदले में किसी प्रकार के प्रतिउपकार से आप यदि ऐसा कुछ करते हैं तो उसे श्रेष्ठता की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। हमारे यहां संतों ने कहा है कि यदि कोई आपका अपकार भी करे तो भी आप उसका उपकार ही करें। अपकार की भावना में हिंसा की अभिव्यक्ति होती है और उपकार में प्रेम और त्याग की। यह प्रेम आपको ईश्वरीय पथ की ओर ले जाता है और अपकार की भावना से मन में प्रतिशोध उत्पन्न होता है जो पतन का परिचायक है। यह हमें ईश्वर से विमुख करता है। उपकार की सहज प्रवृत्ति सब में कुछ न कुछ अंश में होती है। यह साधु-पुरुषों की संगति से बढ़ती है। यदि हम किसी का उपकार करते हैं तो यह मानव-जीवन की बड़ी उपलब्धि है। किसी के दुख में सहायक बनकर आप उससे जो आशीर्वाद प्राप्त करते हैं वह आपके दोनों लोकों को संवारता है। यह जीवन क्षण भंगुर है। इसमें आप यदि अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी व्यथित व्यक्ति की सहायता करके उसे उबार लेते हैं तो इसका फल ईश्वर की ओर से आपको अवश्य मिलेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

आँकड़ों की कसौटी पर खरा उतरा 'पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना'

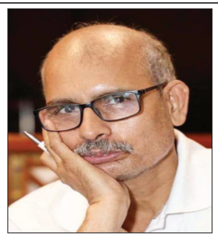
विनोद कुमार सिंह

हरित ऊर्जा,आर्थिक बचत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सफल जनआंदोलन...

भारत आज जिस विकसित राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने की दिशा में अग्रसर है,उसमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधारशिला के रूप में उभर रही है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति,औद्योगिक विकास, पर्यावरणीय संतुलन और नागरिक जीवन की गुणवत्ता काफी हद तक उसकी ऊर्जा व्यवस्था पर निर्भर करती है। बीते वर्षों में भारत ने ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं,लेकिन बढ़ती जनसंख्या,तीव्र शहरीकरण और निरंतर बढ़ती बिजली मांग ने नीति निमार्ताओं के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं,बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में जनभागीदारी पर आधारित एक व्यापक परिवर्तनकारी अभियान के रूप में सामने आई है।जून 2026 में इस योजना के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उपलब्ध आधिकारिक आँकड़े, जमीनी अनुभव और लाभार्थियों की प्रतिक्रियाएँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि यह योजना देश में स्वच्छ ऊर्जा क्रांति की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य केवल सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं था, बल्कि आम परिवारों को ऊर्जा उत्पादक बनाना,उनके बिजली व्यय को कम करना तथा देश को स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा व्यवस्था की ओर अग्रसर करना भी था। दो वर्षों के भीतर इस योजना ने जिस गति से प्रगति की है, वह इसे स्वतंत्र भारत की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा योजनाओं में स्थान दिलाती है।योजना की मूल अवधारणा अत्यंत सरल किंतु दूरगामी प्रभाव वाली है। देश के एक करोड़ परिवारों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर उन्हें अपने उपयोग की बिजली स्वयं उत्पन्न करने में सक्षम बनाना तथा अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर आय अर्जित करने का अवसर उपलब्ध कराना इसका प्रमुख लक्ष्य है।केंद्र सरकार ने इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के लिए 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। यह राशि केवल एक वित्तीय निवेश नहीं बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किया गया दीर्घकालिक राष्ट्रीय निवेश है।दो वर्षों के भीतर प्राप्त उपलब्धियाँ इस योजना की सफलता की कहानी स्वयं बयान करती हैं। मार्च 2026 तक देशभर में 26 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके थे और लाभार्थियों को लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी थी। इससे स्पष्ट है कि योजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रही, बल्कि करोड़ों नागरिकों के जीवन में प्रत्यक्ष परिवर्तन का माध्यम बनी है। उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि देश में प्रतिदिन लगभग 4500 नए सौर संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। यह गति दशार्ती है कि आम जनता के बीच योजना की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है।यदि इस योजना की सफलता को केवल स्थापित संयंत्रों की संख्या से नहीं बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव से देखा जाए तो तस्वीर और भी प्रभावशाली दिखाई देती है। आज देश में लाखों परिवार ऐसे हैं जिनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। सरकारी सर्वेक्षणों से यह तथ्य सामने आया है कि योजना से जुड़े लगभग 71 प्रतिशत परिवारों ने अपने बिजली व्यय में स्पष्ट बचत का अनुभव किया है। यही नहीं, लाखों परिवार ऐसे भी हैं जिनका मासिक बिजली बिल शून्य या नगण्य स्तर तक पहुँच गया है।ऐसे समय में जब घरेलू बजट पर महंगाई का दबाव बना हुआ है, बिजली बिल में होने वाली यह बचत सीधे परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का कार्य कर रही है।

इस योजना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसने ऊर्जा क्षेत्र को लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान किया है। लंबे समय तक बिजली उत्पादन केवल बड़े बिजलीघरों, सरकारी संस्थाओं और निजी कंपनियों तक सीमित रहा। आम नागरिक बिजली का उपभोक्ता मात्र था।प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना ने इस व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया है।अब नागरिक केवल बिजली उपभोक्ता नहीं बल्कि ऊर्जा उत्पादक भी बन रहा है।यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।योजना की सफलता का एक बड़ा कारण इसकी पारदर्शी और डिजिटल कार्यप्रणाली भी है। आवेदन से लेकर स्वीकृति, स्थापना,निरीक्षण और सब्सिडी वितरण तक की अधिकांश प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है।इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार तथा अनावश्यक देरी की संभावनाएँ कम हुई हैं।लाभार्थियों को सीधे बैंक खातों में सहायता राशि प्राप्त होने से व्यवस्था पर विश्वास भी मजबूत हुआ है।

राज्यों के प्रदर्शन पर दृष्टि डालें तो गुजरात इस योजना का सबसे सफल मॉडल बनकर सामने आया है। राज्य में पाँच लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं और लाखों परिवार इसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। महाराष्ट्र तथा उत्तर प्रदेश भी तेजी से आगे बढ़े हैं। राजस्थान, केरल, तमिलनाडु और हरियाणा जैसे राज्यों ने भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।इन राज्यों की सफलता बताती है कि जहाँ प्रशासनिक सक्रियता, जनजागरूकता और वितरण कंपनियों का सहयोग बेहतर रहा, वहाँ योजना के परिणाम भी अधिक प्रभावशाली रहे हैं।हालाँकि उपलब्धियाँ जितनी उत्साहजनक हैं,चुनौतियाँ भी उतनी ही वास्तविक हैं।सर्वेक्षणों में पाया गया कि बड़ी संख्या में लोग अभी भी रूफटॉप सोलर प्रणाली की तकनीकी कार्यप्रणाली को पूरी तरह नहीं समझते। अनेक परिवार इसे बिजली कटौती के समय बैकअप स्रोत मानते हैं,जबकि सामान्य ग्रिड आधारित प्रणाली बिना बैटरी के ऐसा नहीं कर सकती। इसी प्रकार अनेक संभावित लाभार्थियों को उपलब्ध ऋण सुविधाओं और वित्तीय विकल्पों की जानकारी भी नहीं है। इसलिए योजना के अगले चरण में जागरूकता और तकनीकी परामर्श की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी इस योजना का महत्व असाधारण है। भारत ने वैश्विक मंचों पर स्वच्छ ऊर्जा विस्तार और कार्बन उत्सर्जन में कमी का संकल्प लिया है। यदि योजना अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुँचती है तो आने वाले वर्षों में अरबों यूनिट हरित बिजली का उत्पादन होगा और करोड़ों टन कार्बन उत्सर्जन कम करने में सहायता मिलेगी।यह केवल सरकारी लक्ष्य नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का प्रयास है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के दो वर्षों का मूल्यांकन करते समय यह स्पष्ट दिखाई देता है कि इसकी सफलता का आधार केवल सरकारी वित्तीय सहायता नहीं है।इसकी वास्तविक शक्ति जनविश्वास,तकनीकी विश्वसनीयता और प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ में निहित है।जब कोई परिवार अपने बिजली बिल में बचत अनुभव करता है, तब वह स्वयं इस योजना का सबसे प्रभावी प्रचारक बन जाता है।

नशाः राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

ललित गर्ग

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करोड़ों और अरबों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है। इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया 'नशामुक्त जम्मू-कश्मीर' अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है।

नशे के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है। आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है। नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की डोज प्राप्त करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं। इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है। सरकारें इस चुनौती से निपटने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल तथा राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से कई बड़े ड्रग नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियान चलाकर तस्करों पर शिकंजा कसा गया है।

इस संदर्भ में सामाजिक और आध्यात्मिक आंदोलनों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन जीवन में सकारात्मक परिवर्तन केवल जागरूकता और आत्मानुशासन से ही आता है। आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नशामुक्ति को एक व्यापक सामाजिक अभियान का स्वरूप दिया था। उन्होंने संयम, सदाचार और आत्मनियंत्रण के आधार पर लाखों लोगों को व्यसनमुक्त जीवन की प्रेरणा दी। अनेक क्षेत्रों में उनके अभियान ने उल्लेखनीय परिणाम दिए। आचार्य महाश्रमण ने भी अपनी ऐतिहासिक अहिंसा यात्रा के दौरान भारत और पड़ोसी देशों में लाखों लोगों को नशा त्यागने की प्रेरणा दी। उनकी पदयात्राओं का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य समाज में नैतिक चेतना जगाना और युवाओं को व्यसनमुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना रहा। हजारों किलोमीटर की यात्राओं में उन्होंने गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को यह संदेश दिया कि नशामुक्ति केवल स्वास्थ्य की सुरक्षा नहीं, बल्कि आत्मविकास, पारिवारिक सुख और राष्ट्र निर्माण का आधार है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के विरुद्ध बहुआयामी रणनीति अपनाई जाए। सीमाओं पर निगरानी और तकनीकी सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। ड्रोन के माध्यम से होने वाली तस्करी को रोकने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जाए। नशा तस्करों के विरुद्ध त्वरित न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए ताकि अपराधियों में कानून का भय पैदा हो। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को नियमित पाठ्यक्रम और गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाए। युवाओं के लिए रोजगार, खेल, कौशल विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों के अवसर बढ़ाए जाएं ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में प्रवाहित हो सके। इसके साथ ही पुनर्वास केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता में भी सुधार आवश्यक है।

आज पंजाब, जम्मू-कश्मीर और अन्य प्रभावित राज्यों के लिए नशामुक्ति केवल सामाजिक सुधार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण का विषय बन चुका है। यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस नहीं जीत सकती। परिवार, विद्यालय, धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक संगठन, मीडिया और जागरूक नागरिकों को मिलकर इसे जनआंदोलन बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से सफलता प्राप्त की, उसी प्रकार नशामुक्त भारत का सपना भी सामूहिक संकल्प और निरंतर प्रयासों से ही साकार हो सकता है। भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी संपदा है। यदि यह शक्ति नशे की गिरफ्त में चली गई तो राष्ट्र की प्रगति बाधित होगी, लेकिन यदि इसे स्वस्थ, संस्कारित, जागरूक और लक्ष्यनिष्ठ बनाया गया तो भारत विश्व के सामने एक नई शक्ति के रूप में उभरेगा। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है।
(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

अन्नामलाई का नई पार्टी बनाने का निर्णय आवेश में लिया गया फैसला नहीं, लंबे चिंतन का निष्कर्ष दिखाई देता है

तमिलनाडु की राजनीति में एक नया भूचाल उस समय आ गया जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देकर अपने नए राजनीतिक आंदोलन की घोषणा कर दी। यह फैसला तमिलनाडु की जमी हुई राजनीतिक संस्कृति को चुनौती देने वाला एक बड़ा संदेश है। अन्नामलाई ने जिस साफगोई, साहस और वैचारिक दृढ़ता के साथ अपने फैसले को सामने रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब किसी दल के सीमित दायरे में नहीं, बल्कि तमिल समाज की व्यापक आकांक्षाओं के प्रतिनिधि के रूप में उभरना चाहते हैं। अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि चार दिसंबर 2025 को ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व को इस्तीफे का फैसला बता दिया था, लेकिन उनसे चुनाव तक रुकने का अनुरोध किया गया। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उनकी लोकप्रियता और प्रभाव को लेकर कितना सजग था।

पूर्व पुलिस अधिकारी रहे अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी में सकारात्मक बदलाव के उद्देश्य से प्रवेश किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी में रहते हुए उन्होंने कभी तमिलनाडु की पहचान से समझौता नहीं किया। पिछले अठारह महीनों में संगठनात्मक मामलों को लेकर उनकी असहमति लगातार बढ़ती गई। यही कारण है कि उन्होंने अब एक स्वतंत्र राजनीतिक रास्ता चुनने का फैसला किया है। यह निर्णय किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे चिंतन और रणनीतिक तैयारी का हिस्सा दिखाई देता है।

अन्नामलाई ने अपने नए आंदोलन ₹वी द लीडर₹ की घोषणा करते हुए साफ कर दिया कि उनका उद्देश्य केवल एक और राजनीतिक दल खड़ा करना नहीं, बल्कि राजनीति की भाषा और संस्कृति को बदलना है। उन्होंने परिवारवाद और व्यक्तिपूजा की राजनीति पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि किसी भी विधायक, सांसद या मंत्री का पद स्थायी नहीं होना चाहिए। यह बयान तमिलनाडु की उस परंपरागत राजनीति पर करारा प्रहार है जिसमें कुछ परिवारों और सीमित चेहरों के इर्दगिर्द सत्ता घूमती रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अन्नामलाई ने राजनीति में तकनीकी विशेषज्ञों, युवाओं और सामान्य नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया है। उन्होंने युवाओं से राजनीति में आने की अपील करते हुए कहा कि अब आम आदमी की नई पीढ़ी की राजनीति की नींव रखी जा रही है। यह सोच उन्हें पारंपरिक नेताओं से अलग करती है। देखा जाये तो तमिलनाडु में जहां लंबे समय से भावनात्मक नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर राजनीति चलती रही है, वहां अन्नामलाई प्रशासनिक दक्षता, नैतिकता और प्रतिभा आधारित नेतृत्व की बात कर रहे हैं। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

उनके आंदोलन के अंतर्गत कोयंबटूर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फोर एथिक्स एंड पॉलिटिक्स की स्थापना का फैसला भी बताता है कि वह केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक और नैतिक प्रशिक्षण की स्थायी व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। यह दृष्टिकोण तमिलनाडु की राजनीति में एक नई बौद्धिक धारा पैदा कर सकता है। उनके आह्वान के कुछ ही समय बाद हजारों लोगों का उनके राजनीतिक आंदोलन से जुड़ना यह संकेत देता है कि जनता के एक हिस्से में बदलाव की बेचैनी पहले से मौजूद थी।

बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने भाजपा नेतृत्व के सामने दो स्पष्ट विकल्प रखे थे। एक तो उन्हें पर्याप्त स्वायत्तता और अधिकारों के साथ कम से कम सात वर्षों तक प्रदेश नेतृत्व दिया जाए, या फिर उन्हें स्वतंत्र राजनीतिक राह चुनने दी जाए। यह मांग उनके आत्मविश्वास और दूरदृष्टि दोनों को दशार्ती है। साथ ही इस्तीफे का ऐलान करने से पहले दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से उनकी मुलाकात तथा पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें मनाने की कोशिश इस बात का प्रमाण है कि अन्नामलाई की अहमियत से भाजपा नेतृत्व वाकिफ है।

वैसे तमिलनाडु की मौजूदा राजनीति भी अन्नामलाई के लिए अवसर लेकर आई है। हालिया विधानसभा चुनावों में द्रविड दलों को झटके लगे और अभिनेता विजय की पार्टी ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि राज्य की जनता अब पारंपरिक राजनीतिक ढांचे से बाहर विकल्प तलाश रही है। अन्नामलाई का मानना है कि राष्ट्रीय दलों के लिए यहां सीमित राजनीतिक जगह है, इसलिए एक मजबूत क्षेत्रीय विकल्प ही जनता की आकांक्षाओं को सही दिशा दे सकता है। उनकी यह समझ राजनीतिक रूप से बेहद व्यावहारिक और दूरदर्शी मानी जा रही है।

उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने भले ही कहा हो कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे अलग दिखाई देती है। अन्नामलाई ने तमिलनाडु में भाजपा को ऊर्जा, आक्रामकता और जनस्वीकार्यता दी थी। अब उनके अलग होने से भाजपा के सामने नेतृत्व और जनाधार दोनों की चुनौती खड़ी होगी। दूसरी ओर, अन्नामलाई यदि अपने आंदोलन को संगठित ढंग से आगे बढ़ाते हैं तो वह तमिलनाडु की राजनीति में तीसरी शक्ति के रूप में तेजी से उभर सकते हैं।

बहरहाल, यह स्पष्ट है कि अन्नामलाई ने केवल पार्टी नहीं छोड़ी, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति को नई दिशा देने की चुनौती स्वीकार की है। उनकी राजनीति में साहस है, वैचारिक स्पष्टता है और बदलाव की बेचैनी भी है। आने वाले वर्षों में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या उनका यह आंदोलन तमिलनाडु की राजनीति में वैसा ही परिवर्तन ला पाएगा जिसकी वह कल्पना कर रहे हैं। फिलहाल इतना तय है कि अन्नामलाई ने राजनीति के मैदान में एक नई बहस छेड़ दी है और इस बहस को नजरअंदाज कर पाना किसी के लिए आसान नहीं होगा।

वेव शुगर मिल के जोनल इंचार्ज पर नकाबपोश युवकों ने किया हमला, घायल

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में वेव शुगर मिल के जोनल इंचार्ज वीरेंद्र सिंह पर कुछ नकाबपोश युवकों ने हमला कर दिया।यह घटना बुधवार की रात की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि जोनल इंचार्ज वीरेंद्र सिंह ने हेलमेट पहना था जिस वजह से उनकी जान बच गई, लेकिन इसके बावजूद भी वह गंभीर रूप से घायल हो गए। बता दें कि वीरेंद्र सिंह धनौरा की कलाली रोड के निवासी हैं जो नगर क्षेत्र स्थित वेव शुगर इंडस्ट्री में जोनल इंचार्ज के पद पर कार्यरत हैं बुधवार की रात करीब आठ बजे वह अपनी ड्यूटी पूरी कर घर वापस लौट रहे थे। जैसे ही वह धनौरा अमरोहा रोड स्थित ब्लू बर्ड इंटरनेशनल स्कूल के निकट पहुंचे तो रास्ते में घात लगाए बैठे तीन नकाबपोश बदमाशों ने चलती बाइक पर उनके ऊपर सरियों से हमला कर दिया। गनीमत रही कि उन्होंने हेलमेट पहना था जिस कारण उन्हें गंभीर चोट लगने से बच गई। इस हमले में उनके शरीर पर कुछ खुली व गुम चोंटे आयी हैं। वीरेंद्र सिंह के पीछे ही बाइक से आ रहे मिल के दूसरे जोनल इंचार्ज जयपाल सिंह ने घटना देखकर तुरंत मिल प्रबंधन, स्थानीय पुलिस और 112 नंबर पर सूचना दी। सूचना मिलते ही मिल के जीएम (केन) जगतवीर सिंह, सिक्योरिटी इंचार्ज मदन सिंह, रीजनल हेड नरेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में मिल स्टाफ मौके पर पहुंचा। घायल वीरेंद्र सिंह को तुरंत धनौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी में भर्ती कराया गया।परिजनों और सहकर्मियों के अनुसार, वीरेंद्र सिंह एक सज्जन व्यक्ति हैं और उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। इस हमले को लेकर मिल कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। बड़ी संख्या में कर्मचारी पीड़ित के घर पहुंचकर उनका हालचाल जान रहे हैं।बछरायूं थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

धनौरा वेव शुगर मिल व नारेक्स फ्लेवर्स ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चलाए विशेष अभियान, किया पौधरोपण

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा स्थित वेव शुगर मिल एवं नारेक्स फ्लेवर्स की तरफ से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष अभियान चलाए गए। जिनके तहत पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, संवर्धन एवं सतत विकास के संकल्प के साथ अलग-अलग स्थान पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन सभी कार्यक्रमों में वेव शुगर मिल एवं नारेक्स फ्लेवर्स प्राइवेट लिमिटेड की सक्रिय भागीदारी रही। बता दें कि शुक्रवार को वेव शुगर मिल, धनौरा परिसर में 'मां के नाम एक वृक्ष' कार्यक्रम के तहत सघन वृक्षारोपण किया गया। मिल के मुख्य महाप्रबंधक जगतवीर सिंह ने ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक (धनौरा) हरि मोहन त्रिपाठी की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान परिसर में जामुन, आम, लीची, किन्नू, अमरूद और आंवला जैसे विभिन्न फलदार पौधे रोपे गए। मुख्य महाप्रबंधक ने पर्यावरण संतुलन के लिए पौधों की देखभाल का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर मिल के प्रोसेस मैनेजर डी.पी. सिंह सहित सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।दूसरी ओर, नारेक्स फ्लेवर्स प्राइवेट लिमिटेड ने "प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए" थीम के तहत विश्व पर्यावरण दिवस का व्यापक आयोजन किया। कंपनी परिसर और डिस्टिलेशन यूनिट्स में कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया और हरित आवरण बढ़ाने के लिए पौधे लगाए गए। जैव विविधता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से परिसर में पक्षियों के लिए बर्ड फीडर भी स्थापित किए गए।नारेक्स द्वारा फैक्टरी परिसर के साथ-साथ बिहापुरी, मुनीमपुरा, मरगूबपुर और धोयती जैसे आस-पास के गांवों में भी जागरूकता और वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इसमें महिपाल सिंह, लटूर सिंह, लेखराज सिंह, सोनू सैनी, जितेंद्र सिंह और राजपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय किसानों और ग्रामीणों ने भाग लिया।नारेक्स फ्लेवर्स के प्रबंध निदेशक वैभव कुमार अग्रवाल ने संदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि वर्षभर निभाई जाने वाली सामूहिक जिम्मेदारी है। सस्टेनेबिलिटी प्रमुख ललित यादव, मैनेजर अनुराग नाथ और एचआर प्रमुख हरिओम शर्मा ने भी दैनिक जीवन में सतत विकास के सिद्धांतों को अपनाने पर बल दिया। कार्यक्रम में अरुण कुमार, दीपक शर्मा, अनिकेत कुमार, रश्मि आर्या और प्रज्ञा शर्मा सहित अनेक कर्मचारियों ने सक्रिय योगदान दिया।

अपने जीवन में एक पौधा अवश्य ही लगाने का बनाएं लक्ष्य

क्षेत्रीय अधिकारी (प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) गिरीश चंद्र आर्य ने जुबिलेंट में किया पौधरोपण

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्रीय अधिकारी (प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) गिरीश चंद्र आर्य ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए धरती पर हरियाली बेहद आवश्यक है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि अपने जीवन में एक पौधा अवश्य ही लगाएं ताकि प्रकृति के बिगड़ते संतुलन को बचाया जा सके। बता दें कि शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर जुबिलेंट इनग्रेविया लिमिटेड परिसर में एक पेड़ मां के नाम के तहत नीम,बरगद, शीशम आदि के पौधे रौपे गए। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अधिकारी (प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) गिरीश चंद्र आर्य ने जुबिलेंट के यूनिट हेड विनोद झा एवं निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित के संग पौधे लगाए। जुबिलेंट के अधिकारियों ने भी पौधरोपण किया। इस दौरान सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी दोहराया। इस मौके पर पराग गोयल, विनय शुक्ला, एनके अग्रवाल, अमित पांडेय, सुनील ए सिंह, सीएसआर से विशाल गौरव, डा. सैय्यद बिलाल अहमद, फाल्गुन शरण, चंद्रकांत, देवेंद्र पंवार, विनय कुमार द्ववेदी, अजय कुमार,राहुल सिंह, चंदन प्रसाद, बूंदी सिंह, नवनीत सिंह आदि मौजूद रहे। वहीं जुबिलेंट एग्री एंड कन्ज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड में चीफ ऑफ मैन्यूफेक्चरिंग जगत शर्मा एवं यूनिट हेड देवेंद्र बंसल ने पौधारोपण किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर चंदनपुर चीनी मिल की तरफ से लगाए जाएंगे 15000 पौधे, 260 पौधों को किया गया रोपित

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- पृथ्वी को स्वर्ग बनाना है, अपने चारों ओर वृक्ष लगाना है" के संदेश के साथ विश्व पर्यावरण दिवस पर त्रिवेणी शुगर मिल चंदनपुर में वृहद वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की गई। उ.प्र. पर्यावरण विभाग ने चीनी मिल को 15000 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया है।

शुक्रवार को चीनी मिल परिसर में उपाध्यक्ष (शुगर) आमोद कुमार शर्मा ने विभागाध्यक्षों के साथ मिलकर आम, नीम, पीपल, जामुन सहित 260 पौधों का रोपण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के लिए कोई दिन तय नहीं करना चाहिए। जब दिल करे वृक्ष अवश्य लगाएं और प्रकृति को हरा-भरा रखें। हर व्यक्ति आज एक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी ले। आमोद कुमार शर्मा ने बताया कि 15000 पौधों के लक्ष्य को पूरा करने के लिए स्थान चिन्हित कर लिए गए हैं। अब तक लगभग 2500 गड्ढों की खुदाई का कार्य पूरा हो चुका है। फिलहाल 260 पौधे रोपे गए हैं। शेष पौधों को भी चरणबद्ध तरीके से लगाकर निर्धारित लक्ष्य पूरा किया जाएगा।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (गन्ना) आर.एस. सहरावत, महाप्रबंधक (उत्पादन) टी.सी. रजौरिया, महाप्रबंधक (इंजी.) रवि गुप्ता, अपर महाप्रबंधक (एच.आर) अमेज कुमार सिंह, अपर महाप्रबंधक वित्त संजय कुमार जायसवाल, सहायक महाप्रबंधक आई.टी. बाबूराम सैनी, उदयवीर सिंह (लैब) सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए कक्ष निरीक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित

स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए पूरी निष्ठा और मनोयोग से ड्यूटी का निर्वहन करें:- डॉ0 नितिन गौड़

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की आगामी परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से कराने के लिए जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज में कक्ष निरीक्षकों का प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2025 की ड्यूटी में लगे कक्ष निरीक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस परीक्षा के जरिए सिपाही का चयन करने का मुख्य उद्देश्य आम जनता को सुरक्षित और मुक्त वातावरण उपलब्ध कराना तथा विकास के लिए अनुकूल कानून व्यवस्था सुनिश्चित करना है। परीक्षा के सफल आयोजन में आपकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिलाधिकारी ने सभी को निर्देशित किया कि वे पूरी निष्ठा और मनोयोग से ड्यूटी का निर्वहन करें तथा परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखें। किसी भी प्रकार की अनियमितता की अनुमति न दें। गर्मी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सलाह देते हुए कहा कि सभी ड्यूटी कर्मी भरपूर हाइड्रेशन रखें। ओआरएस पैकेट का उपयोग करें। दिन में कम से कम 3-4 लीटर पानी अवश्य पिएं। गर्मी अधिक होने पर पानी की मात्रा और बढ़ा सकते हैं। अच्छा नाश्ता और भोजन कर ड्यूटी पर जाएं। कैप या टोपी पहनें और गमछा साथ रखें। उन्होंने कहा कि परीक्षा सामग्री को शुरू से अंत तक अच्छे से पढ़ लें ताकि ड्यूटी के दौरान अच्छे से कार्य पूर्ण हो सके। अभ्यर्थियों को उचित मार्गदर्शन दें और अनुशासन बनाए रखें। अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि यह केवल अभ्यर्थियों की परीक्षा नहीं है, बल्कि हम सबकी भी परीक्षा है। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दीं और स्वस्थ रहकर पूर्ण निष्ठा से ड्यूटी करने की अपील की। जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कक्ष निरीक्षकों को सख्त निर्देश देते नकल मुक्त परीक्षा सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है। प्रशिक्षण में परीक्षा हॉल में मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की सख्त तलाशी, अभ्यर्थियों की एंट्री, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, ओएमआर शीट भरने की सही प्रक्रिया, परीक्षा समाप्ति के बाद सीलिंग, सीसीटीवी मॉनिटरिंग आदि पर विस्तार से चर्चा की गई।

जनपद में 08, 09 एवं 10 जून 2026 को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती 2025 परीक्षा 10 परीक्षा केंद्रों पर संपादित होगी जिन पर कुल 28224 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रत्येक पाली में 4704 अभ्यथी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रथम पाली पूर्वान्ह 10:00 से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 03:00 से 05:00 बजे तक प्रतिदिन दो सत्रों में होगी। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार सहित समस्त कक्ष निरीक्षक एवं सम्बन्धित उपस्थित रहे।

अमरोहा में 4.51 लाख पौधों का रोपण, सिख इंटर कॉलेज में हुआ भव्य जागरूकता कार्यक्रम

डीएम डॉ. नितिन गौड़ बोले- सिर्फ लगाएं नहीं, पौधों की देखभाल भी करें

अमरोहा (सब का सपना):- विश्व पर्यावरण दिवस पर गुरुवार को सिख इंटर कॉलेज नारायणपुर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने जिले में 4,51,000 पौधरोपण का लक्ष्य पूरा होने की जानकारी दी। कार्यक्रम की थीम "प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए समर्पित, हमारे भविष्य के लिए प्रतिबद्ध" रही।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरी गोस्वामी, डीएम डॉ. नितिन गौड़, नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन, ब्लॉक प्रमुख गुरेन्द्र सिंह ढिल्लों, सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्रा, डीएफओ राजीव कुमार, एसडीओ एन.के. जोशी, रेंजर नरेश कुमार और राजीव वर्मा मौजूद रहे। सभी ने पौधरोपण कर सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी भी ली। एनसीसी कैडेट्स, छात्र-छात्राओं और एनजीओ ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। डीएम डॉ. नितिन गौड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से पौधों की संरक्षण दर अब 80-85% तक पहुंच गई है। ग्रीनहाउस गैसों के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, सूखा और बाढ़ बढ़ रही है। वृक्षारोपण इसका सबसे सस्ता और कारगर उपाय है। इससे भूजल स्तर बढ़ता है और शुद्ध हवा मिलती है। उन्होंने बताया कि इस बार औषधीय पौधे अधिक लगाए जा रहे हैं। डीएम ने स्वयंसेवकों, ग्राम पंचायत और नगर क्षेत्र के प्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्र में जागरूकता फैलाने की अपील की। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के लिए पर्यावरण आधारित पहेली, खेल प्रतियोगिताएं और ज्ञानवर्धक गतिविधियां हुईं। प्रधानमंत्री के नारे "एक पेड़ मां के नाम" का खास असर दिखा। सेल्फी पॉइंट आकर्षण का केंद्र रहा। एनसीसी कैडेट्स और स्वयंसेवकों ने प्लास्टिक प्रदूषण के नुकसान और स्वच्छ जीवनशैली पर जागरूकता फैलाई। स्वच्छता अभियान चलाकर आसपास के क्षेत्र की सफाई भी की गई। कार्यक्रम के बाद डीएम ने गजरौला में नेशनल हाईवे किनारे आरएसीएल गियरटेक लिमिटेड में भी पौधरोपण किया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सिर्फ सरकार की नहीं, हर नागरिक की जिम्मेदारी है। सिंगल यूज प्लास्टिक कम करें और जल-भूमि बचाएं। इस दौरान मंच का संचालन यतेन्द्र कटारिया ने किया। वहीं जिला महामंत्री चौधरी भूप सिंह, मंडल अध्यक्ष अमित सैनी, राजेश आर्य, आशा आर्य, प्राचार्य गुरनाम सिंह मौजूद रहे। वन विभाग ने सभी स्वयंसेवी संस्थाओं और नागरिकों का आभार जताया। अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त समाज का संकल्प लिया।

डीएम-एसपी ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा सीधी भर्ती-2025 परीक्षा के लिए बनाए केंद्रों का किया निरीक्षण

परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, स्वच्छता, निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं उचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा जनपद में 08, 09 एवं 10 जून को परीक्षा के लिए बनाए गए केंद्रों सिख इंटर कॉलेज, नारंगपुर-जोया, जे०एस० हिंदू इंटर कॉलेज, आई0एम0 इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, अमरोहा, जे0एस0 हिन्दू पी0जी0कॉलेज के ब्लक-ए एवं बी का स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने केन्द्रो व्यवस्थापकों को निर्देश दिये कि स्ट्रांग रूम के दो दरवाजो में से एक को ताला लगाकर सील कर दिया जाये और जो खिड़कियां है उन्हें लकड़ी के बोर्ड से बन्द कर दें।

इस दौरान दोनों अधिकारियों ने परीक्षा की सुरक्षा, पारदर्शिता और निष्पक्षता से संबंधित व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ नकलविहीन संपन्न करायी जाये। निरीक्षण के दौरान डीएम और एसपी ने परीक्षा केंद्रों पर बनाए गए सीसीटीवी कंट्रोल रूम और स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निगरानी व्यवस्था को लगातार सक्रिय रखने और हर गतिविधि पर सतर्क निगाह बनाए रखने के निर्देश दिए। नकल विहीन और शुचितापूर्ण परीक्षा आयोजित कराने के संबंध में उन्होंने कहा कि परीक्षा के संबंध में भर्ती बोर्ड द्वारा जारी निदेशों का कड़ाई से शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये। परीक्षा केन्द्रों पर पेयजल, साफ-सफाई, निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं बेहतर प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। विद्युत के बैकअप के लिए जनरेटर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। परीक्षा केंद्रों के आसपास भी साफ सफाई कराने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 जनपद में 10 परीक्षा केंद्रों पर संपादित होगी। जिन पर कुल 28224 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रत्येक पाली में 4704 अभ्यथी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रथम पाली पूर्वान्ह 10:00 से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 03:00 से 05:00 बजे तक प्रतिदिन दो सत्रों में होगी। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक, विद्यालयों के प्राचार्य सहित संबंधित उपस्थित रहे।

बैठकों से दूरी बनाने वालों पर होगी कार्रवाई, संगठन हित सर्वोपरि:- सत्यपाल तोमर

अमरोहा (सब का सपना):- सुभासपा की मासिक बैठक पार्टी कार्यालय पर आयोजित हुई जिसमें संगठन विस्तार, पंचायत चुनाव की तैयारियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर रणनीति बनाई गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों और विचारधारा का प्रचार करना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर की नीतियों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। ऐसे में पंचायत चुनावों में अधिक से अधिक लोगों को पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ाने की तैयारी अभी से शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि लगातार बैठकों से अनुपस्थित रहने वाले पदाधिकारियों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। यदि संगठन के प्रति उदासीनता जारी रही तो संबंधित लोगों को पद से हटाने की कार्रवाई की जाएगी। संगठनात्मक अनुशासन से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने बताया कि 31 जुलाई को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में पार्टी की विशाल रैली आयोजित होगी जिसमें अमरोहा से करीब बीस बसों के जरिए कार्यकर्ता भाग लेंगे। इसके लिए गांव-गांव चौपाल और जनसंपर्क अभियान चलाने की आवश्यकता है। बैठक में मोहम्मद यूनुस सैफी प्रधान ने कहा कि दिल्ली में हुई दुखद घटना से सबक लेते हुए शहर के होटलों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच कराई जानी चाहिए।

उन्होंने मांग की कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी होटलों के पास अग्निशमन विभाग की आवश्यक स्वीकृति और सुरक्षा मानक मौजूद हों। इस दौरान आदेश अमरोही, मोहम्मद यूनुस सैफी, डॉ. जगत सिंह गुर्जर, इस्लामुद्दीन इदरीसी, जसवीर सिंह चौहान, सुमित चौधरी, राजेंद्र सिंह बग्गा, करतार सिंह, राजवीर सिंह, हाजी उस्मान, सुरेंद्र सिंह प्रधान, प्रीत चौधरी, समरपाल सिंह सैनी, सलमान मंसूरी, हिजेबुल रहमान पाशा, अतीक अहमद, जुबैर अहमद, शाहरुख सैफी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीएसएम शुगर मिल रजपुरा के परिसर में किया गया वृक्षारोपण

रजपुरा /संभल (सब का सपना):- पर्यावरण दिवस के विशेष अवसर पर डीएसएम शुगर मिल रजपुरा के परिसर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के आह्वान एक पेड़ मां के नाम अभियान को समर्पित रहा, जिसमें मिल के अधिकारियों कर्मचारियों और उनके परिजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ डीएसएम शुगर मिल के यूनिट हेड उपेन्द्र कुमार तोमर और उनकी धर्मपत्नी अंशु तोमर ने संयुक्त रूप से पौधा लगाकर किया। इस दौरान पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने का संकल्प भी लिया गया। इस सराहनीय पहल में गन्ना समिति रजपुरा के सचिव देवप्रकाश त्यागी और मिल के वरिष्ठ महाप्रबंधक (गन्ना) इकबाल सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। सभी ने मिलकर परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पौधे रोपे। साथ-साथ उनके परिवारों ने भी उत्साह दिखाया। वृक्षारोपण करने वालों और कार्यक्रम में राजन कुमार दीक्षित, रंजना दीक्षित, नैना दीक्षित,संजीव कुमार, अंशु, सारांश,अवतार सिंह, आंचल बिंदल, बिंदु बिंदल, कबीर,अमित अग्रवाल, निशा अग्रवाल,सुधीर त्यागी, शिखा त्यागी संतोष चौहान, सुषमा चौहान, मन चौहान, अमित चौहान,रिपुंजय उपाध्याय, आकाश ठाकुर, रंजीत सिंह, तिरज कुमार और जय सिंह आदि शामिल रहे।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन और केंद्र सरकार के बारह वर्ष पूरे होने पर एक पेड़ मां के नाम थीम पर भाजपा कार्यकताओं ने किया वृक्षारोपण

बहजोई/संभल (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल द्वारा पर्यावरण दिवस, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन तथा केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बारह साल विश्वास के विकास के जन कल्याण के थीम पर आधारित यह कार्यक्रम स्थानीय लक्ष्मी नारायण मंदिर नवीन अनाज मंडी बहजोई में संपन्न हुआ। भाजपा नगर अध्यक्ष ललित मोहन शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकताओं ने देशव्यापी अभियान के तहत एक पेड़ मां के नाम लगाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर अध्यक्ष ललित मोहन शर्मा ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध और सुरक्षित रखने के लिए हम सभी को अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए।हमारा उद्देश्य केवल पौधा लगाना ही नहीं बल्कि एक संतान की तरह उसकी देखभाल करना और उसे वृक्ष बनाना भी है। पर्यावरण संरक्षण हम सभी का परम कर्तव्य है। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।चंद्रसेन सिंह खड्गवंशी मंडल प्रभारी,कन्हैयालाल वार्ष्णेय पूर्व नगर अध्यक्ष,अनिल कुमार वार्ष्णेय पूर्व जिला मंत्री,सुमित कुमार वार्ष्णेय नगर महामंत्री,नीरज वार्ष्णेय, अमित मोदी, डॉ. रश्मि वार्ष्णेय, प्रेमशंकर कश्यप नगर उपाध्यक्ष,खेलेंद्र वार्ष्णेय कोषाध्यक्ष, जितेन्द्र कुमार बरनवाल, नीरज श्रीवास्तव, भुवनेश वार्ष्णेय ,शरद नगर मंत्री मृदुल वार्ष्णेय, लक्की वार्ष्णेय आदि। सभी कार्यकताओं ने सामूहिक रूप से पौधों की सुरक्षा और उनके सिंचन का संकल्प लिया तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दीघार्यु होने की कामना की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण, डीएम और एसपी ने दिया हरित विकास का संदेश

बबराला/संभल(सब का सपना):- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को राजघाट बबराला में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास का संदेश दिया तथा लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण को अपनी जिम्मेदारी समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्ष पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने भी पौधारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और नियमित देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल करने का भी वचन दिया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत, प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) संभल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन और हरित विकास के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण ही पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने का सबसे प्रभावी उपाय है और जनभागीदारी से ही इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है।

ग्राम समाज की भूमि से अवैध कब्जा हटाया, मजार पर चला बुलडोजर

गुन्नौर/संभल (सब का सपना):- जनपद में सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के अभियान के तहत शुक्रवार को तहसील गुन्नौर के ग्राम बाघऊ में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम समाज की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित मजार को हटवा दिया। राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने जेसीबी की मदद से कब्जा हटाकर भूमि को मुक्त कराया। जानकारी के अनुसार ग्राम बाघऊ स्थित गाटा संख्या 592 मि., कुल रकबा 1.046 हेक्टेयर में से 24 वर्ग मीटर ग्राम समाज/ऊसर भूमि पर अवैध रूप से खेरे वाले चमन शाह बाबा दरगाह शरीफ मजार का निर्माण कर लिया गया था। न्यायालय तहसीलदार गुन्नौर द्वारा मामले की सुनवाई के बाद अतिक्रमणकर्ता अजीज पुत्र अल्लन निवासी बाघऊ को बेदखल करने का आदेश पारित किया गया था। साथ ही उस पर 39 हजार रुपये क्षतिपूर्ति तथा 300 रुपये निष्पादन शुल्क भी आरोपित किया गया था। तहसीलदार गुन्नौर रवि सोनकर के निर्देशन में नायब तहसीलदार रजपुरा अनुज कुमार, राजस्व निरीक्षक, लेखपालों एवं पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी मशीन से अवैध निर्माण को हटाया गया और भूमि को कब्जामुक्त करा लिया गया। कार्रवाई के दौरान जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई स्वयं मौके पर पहुंचे और पूरी प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत, उप जिलाधिकारी गुन्नौर विकास चन्द्र तथा तहसीलदार रवि सोनकर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमणकर्ता द्वारा तहसीलदार न्यायालय के आदेश के विरुद्ध जिलाधिकारी न्यायालय में अपील दायर की गई थी, जिसे 3 जून को जिलाधिकारी न्यायालय ने निरस्त कर दिया। इसके बाद प्रशासन ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जा हटाया। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने स्पष्ट कहा कि जनपद में सरकारी भूमि, तालाबों और चक मार्गों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकारी संपत्तियों को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान लगातार जारी रहेगा और जहां भी अवैध कब्जे पाए जाएंगे, वहां नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।
प्रशासन की इस कार्रवाई को सरकारी भूमि संरक्षण अभियान के तहत महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ स्पष्ट संदेश गया है।

महिलाओं एवं बलिकाओं को जागरूक कर वितरित किये गये पम्पलेट

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी चन्दौसी /सहायक नोडल मिशन शक्ति अभियान दीपक कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों व कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

आरसेटी बहजोई में हमारी पृथ्वी हमारा भविष्य विषय के अंतर्गत हुआ वृक्षारोपण

बहजोई/संभल (सब का सपना):- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) बहजोई द्वारा हमारी पृथ्वी-हमारा भविष्य विषय पर वृक्षारोपण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता के नेतृत्व में प्रशिक्षुओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम बहजोई स्थित आरसेटी संस्थान व भगवानपुर वाली माता मंदिर के निकट पार्क में आयोजित किया गया, जहां सभी प्रतिभागियों ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में एसडीएम चंदौसी वंदना मिश्रा अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) संभल ललित विजय राय केनरा बैंक बहजोई के प्रबंधक सावन कुमार सहित बैंक के अन्य अधिकारी, संस्थान के पूर्व प्रशिक्षु एवं विभिन्न क्षेत्रों के कौशल प्रशिक्षक उपस्थित रहे। एलडीएम ललित विजय राय एवं केनरा बैंक के प्रबंधक सावन कुमार की उपस्थिति में आरसेटी के सभी कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं ने सामूहिक रूप से पौधारोपण किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। पौधे न केवल पर्यावरण को शुद्ध रखते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ वातावरण भी सुनिश्चित करते हैं। कार्यक्रम में संस्थान के संकाय संतोष कुमार, कार्यालय सहायक सुजीत सिंह, रनवीर सिंह, विकास बाबू, डीएसए राजीव कुमार एवं उजिता सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।
समारोह के अंत में अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा प्रशिक्षार्थियों को विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व और पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सभी प्रतिभागियों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया, बांटी मिठाइयां

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस नगर चंदौसी में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कैथल गेट पर आयोजित कार्यक्रम में व्यापारियों और कार्यकताओं ने मिठाइयां वितरित कर मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन युवा इकाई के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री के जन्मदिवस को उत्सव के रूप में मनाते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है और व्यापारी वर्ग को सुरक्षित वातावरण प्राप्त हुआ है, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। वहीं नगर महामंत्री शुभम अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल माहौल बना है। इससे युवा व्यापारियों को नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं और प्रदेश आर्थिक प्रगति की ओर अग्रसर है। उन्होंने मुख्यमंत्री के दीघार्यु एवं सफल नेतृत्व की कामना भी की।
इस अवसर पर नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू, शुभम अग्रवाल, निशांत शर्मा, राजू ठाकुर, प्रतिपाल मौर्य, वीरपाल राणा, दीपक वार्ष्णेय, सुमित शर्मा, तुषार कृष्टल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन मुख्यमंत्री के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं प्रदेश की निरंतर प्रगति की कामना के साथ किया गया।

बनियाठेर पुलिस ने चोरी की बाइक की बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

बनियाठेर/संभल (सब का सपना):- जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बनियाठेर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी की गई सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी चंदौसी दीपक कुमार के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बनियाठेर प्रभारी निरीक्षक बोबिन्द्र कुमार शर्मा के निर्देशन में उपनिरीक्षक अमरेन्द्र चौहान एवं उनकी टीम द्वारा कंथरी चौराहे पर वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान थाना बनियाठेर में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के मुकदमे से संबंधित सुपर स्प्लेंडर बाइक अभियुक्त शानू पुत्र मोहम्मद शकील के कब्जे से बरामद कर ली गई। पुलिस ने आरोपी शानू को मौके से गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गुरुवार को पीड़ित ग्रीस पुत्र कंचन सिंह निवासी ग्राम देवरखेड़ा, थाना बनियाठेर ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि 2 जून को वह अपनी दुकान पर ग्राहकों को सामान दे रहा था। इसी दौरान उसकी सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, जो दुकान के बाहर खड़ी थी, किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई। शिकायत के आधार पर थाना बनियाठेर में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच एवं चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए न केवल चोरी की बाइक बरामद कर ली, बल्कि घटना में शामिल आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया।
पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में वाहन चोरों के खिलाफ सख्त संदेश गया है।

वृक्ष पृथ्वी का आभूषण, पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता:- डॉ एनपी सिंह

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्री राम ग्रुप आफ कॉलेज एंड हॉस्पिटल में वृक्षारोपण एवं विश्व पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रबंधक,शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंधक डॉ.एनपी सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए' डॉ शिखा सिंह ने छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक होने एवं स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या डॉ ममता सिंह ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी का आभूषण है और इनके संरक्षण से ही मानव जीवन सुरक्षित रह सकता है। कार्यक्रम में डॉ रविंद्र, डॉ आकाश, सलोनी, चंचल, अंकुर, तनु ज्योति ने अपने विचार व्यक्त करते हुए छात्रों को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा पौधारोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण संबंधी जागरूकता अभियान चलाया गया। अंत में सभी ने पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने का संकल्प लिया।

बस और ट्रैक्टर की टक्कर में ट्रैक्टर चालक की मौत

बिजनौर (सब का सपना):- नूरपुर-मुरादाबाद मार्ग पर शुक्रवार तड़के हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। गोहावर चौराहे के पास एक निजी बस और ट्रैक्टर की जोरदार टक्कर में ट्रैक्टर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जबकि बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित बच गए। जानकारी के अनुसार घटना सुबह करीब साढ़े चार बजे की है। मृतक की पहचान 50 वर्षीय धीरेन्द्र सिंह ठाकुर पुत्र यशपाल सिंह निवासी ग्राम सतैय्या, थाना फतेहगंज, जनपद बरेली के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि धीरेन्द्र सिंह बरेली से एक नया ट्रैक्टर लेकर नूरपुर स्थित राणा ट्रैक्टर एजेंसी जा रहे थे। इसी दौरान गोहावर चौराहे के निकट पीछे से आ रही एक निजी बस ने ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर के परखच्चे उड़ गए और चालक धीरेन्द्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर दौलतपुर चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू कराया। मृतक के शव को 108 एम्बुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नूरपुर भेजा गया। बाद में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त बस शाहजहांपुर से मजदूरों को लेकर जम्मू-कश्मीर जा रही थी। बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि बस चालक को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ हो सकता है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। बस को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है, जिससे परिवार में शोक का माहौल है।

चांदपुर क्षेत्र में पारिवारिक विवाद में पति ने पत्नी को मारे चाकू

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक पारिवारिक विवाद उस समय गंभीर घटना में बदल गया, जब एक महिला पर उसके पति द्वारा चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया। घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि आरोपी पति घटना के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला शाहचंदन में किराए के मकान में रहने वाली रुकसार अपने पति नासिर और तीन बच्चों के साथ रहती है। पीड़िता के मुताबिक वह अपने पति के साथ मेरठ स्थित रिश्तेदारों के यहां गई थी। इसी दौरान पति की फूफो के घर न जाने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। बताया जाता है कि यह विवाद लौटते समय भी जारी रहा। आरोप है कि देर रात जब दोनों मेरठ से वापस लौट रहे थे और चांदपुर क्षेत्र के एक कच्चे रास्ते से गुजर रहे थे, तभी पति ने गुस्से में आकर पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में महिला घायल हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस सक्रिय हुई और घायल महिला को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेजा गया।

थाना चांदपुर प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह ने बताया कि महिला का मेडिकल कराया गया है। मामले में तहरीर प्राप्त होने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों की जांच की जा रही है और आरोपी की तलाश के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

यात्रियों से भरी बस डिवाइडर से टकराई एक की मौत, लगभग तीस घायल

बिजनौर (सब का सपना):- काशीपुर-हरिद्वार राजमार्ग पर शुक्रवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में यात्रियों से भरी निजी बस डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि करीब 30 यात्री घायल हो गए। इनमें आठ यात्रियों की हालत गंभीर होने पर उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग राहत कार्य में जुट गए। जानकारी के अनुसार लखीमपुर खीरी से देहरादून जा रही एक निजी बस में लगभग 65 यात्री सवार थे। सभी यात्री रोजगार और कामकाज के सिलसिले में देहरादून जा रहे थे। शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे बस कोतवाली देहात क्षेत्र के रोशनपुर प्रताप गांव के पास पहुंची ही थी कि अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में बैठे कई यात्री अपनी सीटों से उछल गए और बस के अंदर चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंच गई। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने राकेश पुत्र शंभू (30 वर्ष) निवासी टेहारा, थाना धौरहरा, जनपद लखीमपुर खीरी को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल अमन, राम दुलारे, अंशिका, गोलू, बबलू, रोशनी, पूजा और राजाराम की हालत गंभीर बताई गई है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र भेजा गया। अन्य 21 घायलों का उपचार नगीना सीएचसी में जारी है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस उपाधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। साथ ही घायलों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस में सवार अधिकांश यात्री रोजगार के लिए देहरादून जा रहे थे। हादसे के बाद परिजनों में चिंता और शोक का माहौल है।

गजूपुरा में नहर निर्माण पर भड़के किसान, अधिकारियों पर नक्शा बदलने का लगा आरोप, प्रदर्शन

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के गांव गजूपुरा में सिंचाई विभाग और किसानों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। गांव में नहर (माइनर) की खुदाई कराने पहुंची सिंचाई विभाग की टीम का किसानों ने कड़ा विरोध करते हुए जमकर प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि विभाग स्वीकृत नक्शे के विपरीत जाकर मनमाने ढंग से नहर का निर्माण करा रहा है, जिससे उनकी कीमती कृषि भूमि बर्बाद हो रही है। जानकारी के अनुसार, जब सिंचाई विभाग की टीम मशीनों के साथ गांव गजूपुरा में नहर की खुदाई करने पहुंची, तो भारी संख्या में किसान मौके पर एकत्र हो गए और काम रुकवा दिया। किसानों का कहना है कि प्रशासन ने जिस भूमि का नक्शा स्वीकृत किया था, विभाग उससे हटकर दूसरी दिशा में खुदाई कर रहा है। दिशा बदलने के कारण कई छोटे और सीमांत किसानों की उपजाऊ भूमि इसकी चपेट में आ रही है।

नाराज किसानों ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित और स्वीकृत भूमि के अनुसार नहर का निर्माण नहीं कराया गया, तो वे चुप नहीं बैठेंगे और उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

दूसरी ओर, सिंचाई विभाग ने किसानों के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। विभाग के अधिशासी अभियंता त्रिलोक चंद लांबा ने बताया कि यह मामला पहले ही उच्च न्यायालय में निस्तारित हो चुका है। विभाग पूरी तरह से सरकार द्वारा अधिग्रहित की गई भूमि पर ही माइनर का निर्माण करा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ किसान जानबूझकर निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहे थे, लेकिन प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद अब स्थिति सामान्य है और कार्य नियमानुसार कराया जाएगा।

शुगर मिल में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृहद वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ

बिजनौर (सब का सपना):- तहसील धामपुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुगर मिल के उपाध्यक्ष आशीष शर्मा के नेतृत्व में मिल परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस मानसून सत्र में लगभग 11,000 पौधे रोपित करने का का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के प्रथम चरण में आज 1,100 पौधों का रोपण मिल के श्रमिकों, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं श्रमिक प्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर आशीष शर्मा ने श्रमिकों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा, वृक्ष ही जीवन हैं वृक्षों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है,अतः सभी को बढ़-चढ़कर पौधारोपण करना चाहिए। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाने के लिए निर्देशित किया और दूसरों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने के लिए कहा। वृक्षारोपण अभियान में संजीव कुमार, सुनील राणा, विकास अग्रवाल,अभय शर्मा, सत्यवीर सिंह, मनोज चौहान, मोहित वशिष्ठ, विवेक सिंह यादव, करुण अग्रवाल, अनुज मलिक, अजय पांडे, अमित मिश्रा,सुरजन सिंह, रणजीत सिंह हिमांशु शर्मा,लवकुश चौहान, विनोद बिष्ट, मुकेश कश्यप, पंकुल अग्रवाल, प्रवीण भारतीया,विनोद सिंह राणा,दुर्गेश राठौर, दिवाकर गुप्ता, एक्साइज इंस्पेक्टर साजिद अली, हारुण खान, सुरेश सिंह, योगेंद्र, सुरेंद्र, संजीव सिन्हा, सौरभ वर्मा,सोमपाल, भरत भूषण बरनी, स्मृति यादव,शरद गहलोत, भुवनेश, लविश, पर्यावरण टीम की ओर से वीरेंद्र सुपरवाइजर, अतुल माली, जयप्रकाश, लोकेंद्र, राजेश, पप्पू, भूपेंद्र आदि का विशेष योगदान रहा । इस अवसर पर कारखाना महाप्रबंधक विजय कुमार गुप्ता ने उपस्थित श्रमिकों, कर्मचारियों अधिकारियों तथा यूनियन के प्रतिनिधियों को पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए शपथ दिलवाई।

जनपद साहनपुर के बेहट के जंगल में पेड़ से लटका मिला बजरंग दल नेता का शव

बजरंग दल का विभाग संयोजक था शिवम वर्मा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का होगा खुलासा

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना बेहट क्षेत्र के जंगल में शुक्रवार को एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।मृतक की पहचान शिवम वर्मा के रूप में हुई है। शिवम सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय था तथा बजरंग दल में विभाग संयोजक के दायित्व का निर्वहन कर रहा था। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रमों में भी सक्रिय भागीदारी करता था। बताया जाता है कि शिवम कुछ दिन पूर्व अपने रिश्तेदारी में गया हुआ था। शुक्रवार सुबह बेहट थाना क्षेत्र के जंगल में एक पेड़ से युवक का शव लटका होने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद क्षेत्र में चचाओं का दौर शुरू हो गया। पुलिस युवक के अंतिम समय की गतिविधियों, मोबाइल कॉल डिटेल और अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

साथ ही घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को भी खंगाला जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। मौत के कारणों को लेकर अभी कोई स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच में जुटी है।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर भड़कीं डीएम जसजीत कौर, धीमी प्रगति वाले अफसरों को 'कारण बताओ नोटिस' जारी

बिजनौर (सब का सपना):- भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) की सुस्त रफ्तार को लेकर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई समीक्षा बैठक में कई क्षेत्रों में कार्य की प्रगति अत्यंत निराशाजनक पाए जाने पर जिलाधिकारी ने सख्त लहजे में नाराजगी जताई। उन्होंने 30 प्रतिशत से कम काम करने वाले चार्ज अधिकारियों को तत्काल 'कारण बताओ नोटिस' जारी करने के निर्देश दिए हैं। समीक्षा के दौरान सामने आया कि कई नगर निकायों और तहसीलों में तय लक्ष्यों के मुकाबले बेहद कम काम हुआ है। जिलाधिकारी ने सभी चार्ज अधिकारियों को आज ही सायं 7:00 बजे तक निर्धारित लक्ष्य पूरा करने का अल्टीमेटम दिया है। नजीबाबाद नगर पालिका में 166 के सापेक्ष मात्र 26 ब्लॉक पूरे होने पर डीएम ने सख्त नाराजगी जताई और कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही नजीबाबाद, किरतपुर (102 में से 30), शेरकोट (115 में से 33), बिजनौर नगर पालिका (264 में से 57), झालू (40 में से 10) और तहसील धामपुर (1952 में से 565) को आज शाम तक 50 प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने को कहा है। तहसील नगीना (1004 में से 489), तहसील बिजनौर (996 में से 423), नगर पंचायत सहानपुर (38 में से 18) और जलालाबाद (38 में से 18) को आज शाम तक 60 प्रतिशत काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। अफजलगढ़ नगर पालिका (52 के सापेक्ष 22) को आज शाम 7:00 बजे तक 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया है। जहाँ एक तरफ सुस्त अधिकारियों को फटकार पड़ी, वहीं जिलाधिकारी ने हल्दौर, सहसपुर, नूरपुर और धामपुर नगर पालिका परिषद के चार्ज अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने दोटूक शब्दों में कहा कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण, संवेदनशील और समयबद्ध है।

इसे सामान्य रूप में न लिया जाए। सभी अधिकारी इसे अपना शासकीय दायित्व मानते हुए कर्तव्यों का निर्वहन सुनिश्चित करें, अन्यथा बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई के लिए तैयार रहें। बैठक में जिला जनगणना अधिकारी बिजनौर सहित जनपद के तमाम आला अधिकारी डिजिटल माध्यम से मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विद्यया टेलीलिंक व जल जीवन मिशन का वृक्षारोपण अभियान

अधिकारियों-कर्मचारियों ने लगाए पौधे, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विद्यया टेलीलिंक एवं जल जीवन मिशन धामपुर कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ महाप्रबंधक विजेंद्र कौशिक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वृक्ष पृथ्वी को हरा-भरा बनाए रखने, प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण, भूजल स्तर को बनाए रखने तथा स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उन्हें संरक्षित करने का आह्वान किया। वरिष्ठ महाप्रबंधक संजय हाडू ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा योगदान दिया जा सकता है। कंपनी के सुरक्षा अधिकारी शाने अब्बास ने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल और बेहतर भविष्य की नींव है। उन्होंने कर्मचारियों से वृक्षारोपण को जनआंदोलन का रूप देने और प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की। सहायक परियोजना प्रबंधक हुकम चंद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल भी उतनी ही आवश्यक है। कार्यक्रम में जल जीवन मिशन की टीम के प्रशांत कुमार, आलोक गुप्ता, अजय विश्वकर्मा, प्रेम कुमार सहित अन्य कर्मचारियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में जनसहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा।

दो बाइकों की आमने-सामने भीषण टक्कर दिल्ली जा रहा युवक गम्भीर रूप से घायल

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- मेरठ-बदायूं हाईवे पर नगर के भगतजी होटल के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक बाइक सवार युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया, जिसे आनन-फानन में अस्पताल भिजवाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुलन्दशहर निवासी ओमपाल 39 वर्ष पुत्र मांगेलाल अपने साथी वीरेन्द्र सिंह 34 वर्ष पुत्र जगदीश सिंह निवासी गाजियाबाद के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर डिबाई की तरफ से दिल्ली की ओर जा रहे थे, जैसे ही उनकी मोटरसाइकिल शिकारपुर नगर में मेरठ-बदायूं हाईवे पर स्थित भगतजी होटल के पास पहुंची तभी सामने बुलन्दशहर की दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और सड़क पर चीख-पुकार मच गई।

इस सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया, दुर्घटना होते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तुरन्त नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी गई है।

पशु हड्डी गोदाम के आस पास रहने वालों का दुर्गंध और गंदगी से जीना हुआ हराम

बुलंदशहर (सब का सपना):- खुर्जा क्षेत्र में प्रशासनिक लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है। खुर्जा के मुंडाखेड़ा रोड पर कथित रूप से अवैध रूप से संचालित किए जा रहे पशुओं के हड्डी गोदाम से क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। खुर्जा के मुंडाखेड़ा रोड पर लंबे समय से एक पशु हड्डी गोदाम संचालित किया जा रहा है, जहां बड़ी मात्रा में पशुओं की हड्डियों का ढेर लगा हुआ है। हड्डियों के खुले में पड़े होने से आसपास के क्षेत्र में तेज दुर्गंध फैल रही है, जिससे स्थानीय निवासियों और राहगीरों का जीना मुश्किल हो गया है स्थानीय लोगों का कहना है कि गोदाम से उठने वाली बदबू के कारण सड़क से गुजरना तक कठिन हो गया है। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। लोगों ने कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत करने की बात कही है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। "यहां से निकलना मुश्किल हो गया है।

बदबू इतनी ज्यादा है कि सांस लेना भी कठिन हो जाता है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि गोदाम की वैधता की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए तथा लोगों को दुर्गंध और प्रदूषण से राहत दिलाई जाए। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और कब तक कार्रवाई करता है। फिलहाल स्थानीय लोगों में प्रशासन की कार्यशैली को लेकर नाराजगी है और वे जल्द से जल्द समाधान की मांग कर रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अनामिका शुगर मिल्स में हुआ पौधारोपण

अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को अनामिका शुगर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, बुलंदशहर इकाई (रेणुका शुगर्स) में व्यापक स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा हरित क्रांति को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर चीनी मिल परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए और उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला आबकारी अधिकारी बुलंदशहर राजेन्द्र कुमार एवं आबकारी निरीक्षक अजय सिंह ने सहभागिता की। चीनी मिल के उपाध्यक्ष डॉ. तेजबीर सिंह ढाका ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना समय की मांग है। उन्होंने बताया कि अनामिका शुगर मिल्स द्वारा समय-समय पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है ताकि आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि एक पेड़ न केवल ऑक्सीजन प्रदान करता है, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, भूजल संरक्षण तथा जैव विविधता को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मिल के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस मौके पर वरिष्ठ महाप्रबंधक वर्क्स संजय कुमार, महाप्रबंधक उत्पादन अमित कुमार सिंह, सहायक महाप्रबंधक प्रशासन रमेश कुमार मिश्रा सहित मिल के अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

द आर्यन्स में विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के अग्रणी शिक्षण संस्थान द आर्यन्स, जोया में आज दिनांक 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन को समर्पित एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा उन्हें प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह सहित अंशिका चौधरी, अभिजोत सिंह राहल, तनिष्क माँगट, प्रयाग मंगाट, नमनजीत और मोहम्मद अरहान आदि विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर किया गया तथा अन्य विद्यार्थियों ने अपने घर से ही ग्रीन सेल्फी अभियान के अंतर्गत किसी भी पेड़ -पौधे या हरियाली के साथ सेल्फी लेना,विद्यार्थी द्वारा घर की अनुपयोगी वस्तुओं का उपयोग कर रचनात्मक वस्तु तैयार करना एवं संक्षिप्त और रोचक पर्यावरण प्रश्नोत्तरी आदि गतिविधियों का आयोजन कराया गया ' इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए तथा उनकी देखभाल का संकल्प लिया। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित आकर्षक पोस्टर, स्लोगन एवं भाषण प्रस्तुत कर सभी को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में बढ़ता प्रदूषण, वनों की कटाई एवं जलवायु परिवर्तन मानवता के सामने गंभीर चुनौतियाँ हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, जल संरक्षण करने तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किए तथा पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह निदेशक अमन लिट्ट और गौरव चौधरी ने संयुक्त रूप से शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और विद्यार्थियों को यह संकल्प दिलाया कि वे अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी आदतों को अपनाकर धरती को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने में योगदान दें। कार्यक्रम का समापन "स्वच्छ पर्यावरण, सुरक्षित भविष्य" के उद्घोष के साथ हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक बल्कि प्रेरणादायी भी सिद्ध हुआ ।

गजरौला में भाजपा कार्यकताओं ने हर्षोल्लास के साथ मनाया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन

हवन-पूजन के बाद केक काटकर मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की गई कामना

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर के मोहल्ला अल्लीपुर भूड़ में एक भाजपा कार्यकर्ता के आवास पर उत्तर प्रदेश सरकार के ऊजार्वान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्म दिवस के पावन अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हवन-यज्ञ,पूजा- अर्चना एवं के काटकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं प्रदेश की समृद्धि के लिए कामना की गई। बता दें कि कार्यक्रम का आयोजन पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय प्रजापति एकता सभा डॉ. उत्तम सिंह प्रजापति के प्रतिष्ठान पर किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक हरपाल सिंह, गजरौला ब्लॉक प्रमुख पति एवं जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी तथा भाजपा ओबीसी मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री महेंद्र सिंह प्रजापति ने नारायण नर्सिंग होम का फीता काटकर शुभारंभ किया। तत्पश्चात नारियल भगवान को समर्पित कर विशाल केक काटते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सफल जीवन की कामना की। वातावरण भक्तिमय एवं उत्सवमय बना रहा।इस अवसर पर डॉ. उत्तम सिंह प्रजापति, अनुसूचित मोर्चा जिला अध्यक्ष रामरतन सिंह जाटव, महेश प्रधान, चौधरी तेजपाल सिंह, पिन्टु प्रधान, रजनीश कुमार, विजयपाल सिंह कारीगर, डॉ. राजीव शुक्ला, डॉ. सचिन कुमार, धर्मसिंह प्रजापति, डॉ. खजान सिंह, डॉ. विजेन्द्र सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए समाज एवं प्रदेश की उन्नति हेतु एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

मनोज मिश्रा ने संभाली सहायक सम्भागीय परिवहन प्रवर्तन अधिकारी की जिम्मेदारी

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में नए सहायक सम्भागीय परिवहन प्रवर्तन अधिकारी मनोज मिश्रा ने 4 जून को पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने चार्ज लेते ही जनता की सुविधा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताई। मनोज मिश्रा इससे पहले गाजियाबाद में चार वर्ष तक अपनी सेवाएं दे चुके हैं। शासन के निर्देश पर उनका गाजियाबाद से अमरोहा स्थानांतरण किया गया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक की और यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। मनोज मिश्रा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि जनता को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे प्रदेश सरकार की यातायात संबंधी प्राथमिकताओं का पालन करें। नियमों का उल्लंघन न करें, हेलमेट का उपयोग करें, सीट बेल्ट लगाएं और ओवरलोडिंग से बचें। इससे न केवल यातायात सुगम बनेगा बल्कि दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। नए अधिकारी ने स्पष्ट किया कि विभाग सख्ती से नियमों का पालन कराएगा, लेकिन साथ ही आम जनता की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने परिवहन विभाग को अधिक पारदर्शी और जनहितैषी बनाने का संकल्प लिया। स्थानीय नागरिकों ने नए अधिकारी के आगमन पर स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में अमरोहा में यातायात व्यवस्था सुधरेगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जगह जगह हुआ पौधारोपण

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर पालिका परिषद द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण के संकल्प के साथ वेस्ट टू वंडर पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान चेयरपर्सन राजबाला देवी सैनी, सभासदों एवं पालिका कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। पौधारोपण करते हुए चेयरपर्सन ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं हरित वातावरण आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार होगा। सभासद राजेंद्र लोधी, गौतम सूर्यवंशी, रंजीत सैनी, आस मौहम्मद गाजी, मोहन लाल सैनी, गगन शर्मा, प्रशांत विश्वास, नेम सिंह, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर वीरेंद्र गर्ग, डॉ विनोद कुमार शर्मा, राजकुमार सैनी, सोनू जैन आदि ने पौधारोपण के साथ साथ पर्यावरण व जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। जिससे नगर को अधिक हरित, स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जा सके। श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय में एमएमएच कॉलेज गाजियाबाद के प्रोफेसर डॉ हरिदत्त शर्मा, प्राचार्य डॉ ललित कुमार गुप्ता, उप प्राचार्य श्रीमती पूर्णिमा सिंह, नैक कॉर्डिनेटर रेशू भारद्वाज, डीन साइंस डॉ अमित पाराशर, रजिस्ट्रार डॉ नीरज कुमार, आईआईसी कॉर्डिनेटर डॉ कुष्मेंद्र सिंह, भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ अरुण कुमार आदि ने पौधारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित किया। सरस्वती विद्या मंदिर लॉ कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण के बारे में पेड़ पौधे लगाने के साथ उन्हें संरक्षित करने तथा प्रकृति के साथ छेड़छाड़ न करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्या भारती पश्चिम उत्तर प्रदेश के कार्यकारिणी सदस्य गंगाराम और प्राचार्य डॉक्टर बिनोद कुमार सिंह आदि द्वारा वृक्षारोपण किया गया। मां भगवती इंटरनेशनल स्कूल, एसकेडी पब्लिक स्कूल सलेमपुर, विजडम वर्ल्ड स्कूल, हैप्पी ब्लू बर्ड पब्लिक स्कूल, सूरजभान इंटर कॉलेज, आरएसएम ओलंपियन पब्लिक स्कूल, बीडीएस पब्लिक स्कूल, ओमवती सरस्वती इंटर कॉलेज और रावत इंटर कॉलेज में भी पौधारोपण किया गया।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अधिवक्ता सुमन कुमार सिंह राघव का लाइसेंस किया निरस्त

बुलन्दशहर (सब का सपना):- बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अधिवक्ता सुमन कुमार सिंह राघव का वकालत लाइसेंस निरस्त कर दिया है। यह कार्रवाई अधिवक्ता पवन कुमार निम की शिकायत पर की गई। शिकायत में एलएलबी की डिग्री एवं शैक्षणिक अभिलेखों में अनियमितता के आरोप लगाए गए थे। पवन कुमार निम के अनुसार आरटीआई से प्राप्त जानकारी में एलएलबी तृतीय वर्ष की परीक्षा संबंधी तथ्यों में विसंगतियां सामने आई थीं, जिसके बाद मामला बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश एवं बार काउंसिल ऑफ इंडिया के समक्ष रखा गया।

जांच के उपरांत बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने सदस्यता समाप्त करते हुए लाइसेंस निरस्त कर दिया तथा दस्तावेजों की विस्तृत जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित की है। जांच पूरी होने तक सुमन कुमार सिंह राघव किसी भी न्यायालय में वकालत नहीं कर सकेंगे।

याकूबपुर समिति पर पहुंचा यूरिया,धरना समाप्त

बुलन्दशहर (सब का सपना):- साधन सहकारी समिति याकूबपुर पर चल रहा किसानों का धरना शुक्रवार को यूरिया उपलब्ध होने और प्रशासनिक आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। अधिकारियों की मौजूदगी में यूरिया से भरी गाड़ी पहुंचने पर वितरण शुरू कराया गया। किसानों ने जनपद की सभी समितियों पर पर्याप्त यूरिया उपलब्ध कराने की मांग दोहराई। किसान नेता चौधरी कुलदीप गुड्डू ने प्रशासनिक अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

वन खंडेश्वर महादेव मंदिर के नए महंत बने रामेश्वर गिरी

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- राजघाट स्थित प्राचीन वन खंडेश्वर महादेव मंदिर के नए महंत के रूप में रामेश्वर गिरी महाराज की विधिवत नियुक्ति की गई। पूर्व महंत गीताराम गिरी बाबा के ब्रह्मलीन होने के बाद संत समाज व श्रद्धालुओं ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच आयोजित समारोह में भक्तों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान ओमवीर सिंह सहित अनेक संत, श्रद्धालु और ग्रामीण उपस्थित रहे।

हल्दी एवं अदरक प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना

हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पक्के फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

प्रकंदों को रंगना

छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मूल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थो का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थो का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 इकाईयां स्थापित की गई है। इसी तरह मुर्गी सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में

सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है।

पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थो में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थो से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

सेमीलूपर

सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

यूके की गलियों में शूटिंग कर रहे अहान पांडे, साथ में नजर आई शरवरी वाघ

पिछले साल आई सफल फिल्म 'सैयारा' ने अहान पांडे को रातोंरात स्टार बना दिया। अब अहान अली अब्बास जफर के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभी तक फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। अब फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक वीडियो सामने आया है। इसने फिल्म को लेकर फैंस में उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो कथित तौर पर फिल्म के यूके शूटिंग शेड्यूल का है। इसमें अहान पांडे के साथ फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ नजर आ रही हैं। हालांकि, यह वीडियो कुछ ही सेकंड का है, लेकिन अहान और शरवरी को पहली बार पर्दे पर देखने के लिए फैंस उत्साहित हो गए हैं। वीडियो में अहान पूरी तरह से काले रंग के कपड़ों में नजर आ रहे हैं। वहीं शरवरी मैरून शर्ट और नारंगी मिनी स्कर्ट में दिखाई दे रही हैं। फिल्म की 27 दिनों की शूटिंग इस साल की शुरुआत में मुंबई के वाईआरएफ स्टूडियो में पूरी हुई थी। इसके बाद टीम एक लंबे इंटरनेशनल शूट के लिए विदेश रवाना हुई, जिसके लगभग दो महीने तक चलने की उम्मीद है।

ऐश्वर्य ठाकरे भी निभाएंगे प्रमुख भूमिका

अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को एक एक्शन-लव स्टोरी फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म में रोमांस के साथ-साथ जबरदस्त एक्शन और टकराव भी देखने को मिलेगा। इस फिल्म में 'निशानची' फेम ऐश्वर्य ठाकरे के भी मुख्य भूमिका में नजर आने की खबरें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐश्वर्य फिल्म में विलेन के किरदार में नजर आएंगे।

ईमानदारी से बनी फिल्म दर्शकों तक जरूर पहुंचती है

आगामी फिल्म 'पेड्डी' को लेकर मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म, दर्शकों और साउथ सिनेमा को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म की सफलता उसकी ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादे पर निर्भर करती है। जाह्नवी कपूर ने कहा, 'अगर कोई फिल्म पूरी ईमानदारी और मेहनत से बनाई जाती है, तो वह अपने दर्शकों तक जरूर पहुंचती है। लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन आखिरकार हम फिल्म दर्शकों के मनोरंजन के लिए बनाते हैं। हम उनके लिए काम करते हैं, इसलिए उनकी भावनाओं और राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए दर्शक भगवान की तरह हैं, और हम सिर्फ उनकी सेवा करने की कोशिश करते हैं।' साउथ फिल्मों में अपने अनुभव को साझा करते हुए जाह्नवी ने कहा कि उन्हें तेलुगु फिल्मों में काम करने में काफी मजा आ रहा है। हालांकि, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब शायद वह मलयालम भाषा में काम करने की कोशिश नहीं करेंगी, क्योंकि यह उनके लिए काफी कठिन है। उन्होंने कहा, 'मलयालम बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन मेरे लिए यह काफी मुश्किल है। तमिल और तेलुगु भाषा से मैं थोड़ा परिचित महसूस करती हूं, इसलिए तेलुगु फिल्मों में काम करना मुझे बेहद पसंद आ रहा है। आगे चलकर मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।'

कार्यक्रम के दौरान जाह्नवी कपूर ने अभिनेता राम चरण की लोकप्रियता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें हर जगह राम चरण का नाम सुनने को मिला। जाह्नवी ने कहा, 'मैं अभी अमेरिका से लौटी हूं, और वहां भारतीयों की पहचान के तौर पर लोग राम चरण का नाम लेते हैं। यहां तक कि इमिग्रेशन पर भी मुझसे पूछा गया कि क्या मैं भारत से अभिनेत्री हूं, और फिर उन्होंने तुरंत कहा- राम चरण!'

राजेश-विक्रांत की फिल्म अंडर 18 में किच्चा सुदीप की एंट्री

ऐश्वर्या साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी की नई फिल्म 'अंडर 18' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर लोगों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता थी, लेकिन अब इसमें सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसका आधिकारिक ऐलान किया। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही एसआर प्रोडक्शंस ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा, ''बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का 'अंडर 18' में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है।'' फिल्म से उनके जुड़ने के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्सुक हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप का किरदार कैसा होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी उनके रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

बॉलीवुड के माहौल को शेखर ने बताया टॉक्सिक

शेखर सुमन बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड के बारे में चौंकाने वाली बातें कही हैं। शेखर ने बताया कि किस तरह से यहां लोगों में जलन की भावना भरी है। इंडस्ट्री का माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। इसके अलावा भी वह कई और बातें बॉलीवुड के लोगों और सेलेब्स को लेकर शेयर करते हैं। फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में शेखर सुमन कहते हैं, 'देखिए जब कोई फेल होता है, किसी की फिल्म फ्लॉप होती है, शादी टूटती है तो कुछ लोगों को बहुत अच्छा लगता है। ऐसे लोग दूसरों को सफलता और खुशी देखकर दुखी होते हैं। हम बॉलीवुड में भी एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, यहां पर माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है।

शेखर सुमन आगे अपने इंटरव्यू में कहते हैं, 'बॉलीवुड के लोगों में बहुत जलन है। यह सामने पर एक-दूसरे को गले लगाते हैं लेकिन बाद में पीठ में छुरा घोंप देंगे। ये लोग एक-दूसरे की लाश पर चढ़कर आगे बढ़ जाएंगे। यह बहुत दुखी करने वाली बात है। इस कंडीशन के बावजूद शेखर सुमन के मन में बॉलीवुड के लिए बहुत सम्मान है। वह कहते हैं, 'हमारी इंडस्ट्री इसलिए बची है, टिकी है क्योंकि यहां पर अच्छे लोग अब भी बाकी हैं। इस इंडस्ट्री ने ही दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे स्टार्स हमें दिए हैं।' शेखर सुमन मल्टीटैलेंटड हैं, एक्टिंग के अलावा एंकरिंग, सिंगिंग, प्रोडक्शन तक में उन्होंने हाथ आजमाया है। साल 2024 में वह एक वेब सीरीज 'हीरामंडी' में दिखे थे। जल्द ही 'द पिरामिड स्कीम' में नजर आएंगे।

पेद्दी की कहानी ने मुझे प्रेरित किया

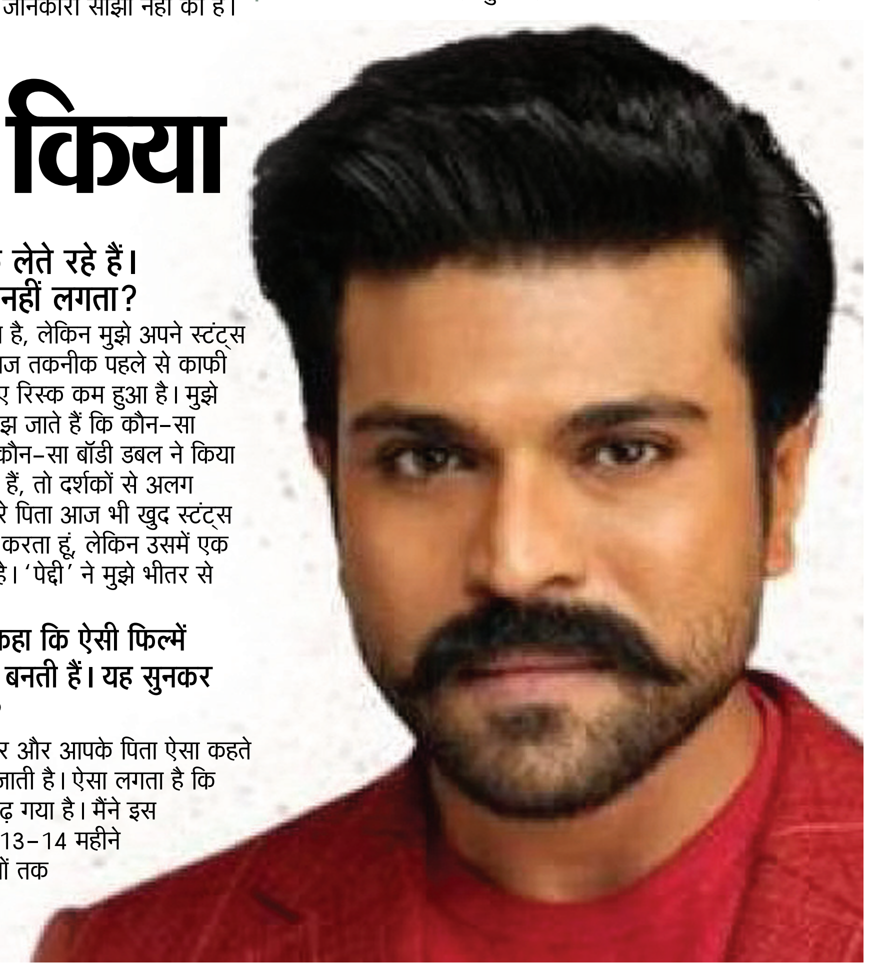

राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे, जो गांव, आत्मसम्मान, संघर्ष और पहचान की कहानी कहता है। उनसे हुई बातचीत...

'पेद्दी' चुनने की बड़ी वजह क्या रही?

ईमानदारी और समर्पण से की गई फिल्म है। यह भारत की मिट्टी की कहानी है। यह उन लोगों की कहानी है, जो अपनी पहचान और आत्मसम्मान के लिए जीते हैं। आज भी देश में कई गांव ऐसे हैं, जो ठीक तरह से नक्शे पर दर्ज नहीं हैं। वहां रहने वाले लोगों के पास बुनियादी सुविधाएं तक सीमित हैं। 'पेद्दी' ऐसे ही एक युवक की कहानी है, जो अपनी पहचान खोजते हुए अपने पूरे गांव और समुदाय को पहचान दिलाने की कोशिश करता है।

इसके लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह किरदार शारीरिक और मानसिक स्तर पर चुनौतीपूर्ण था। उत्तर भारत यूपी, हरियाणा और बिहार में कुश्ती सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावना है। मुझसे पहले सलमान खान ने 'सुल्तान' और आमिर खान ने 'दंगल' में कुश्ती को बड़े परदे पर दिखाया। मुझे सलमान बेहद पसंद हैं। उनकी फिल्मों की सफलता ने भरोसा दिया कि भारत की मिट्टी से जुड़ी कहानियां लोगों तक गहराई से पहुंचती हैं। करीब 200 दिनों की शूटिंग में मुझे कड़ी ट्रेनिंग और लगातार शारीरिक मेहनत करनी पड़ी।

आप हमेशा रिस्क लेते रहे हैं। क्या चोटों से डर नहीं लगता?

डर हर किसी को लगता है, लेकिन मुझे अपने स्टंट्स खुद करना पसंद है। आज तकनीक पहले से काफी बेहतर हो गई है, इसलिए रिस्क कम हुआ है। मुझे लगता है कि दर्शक समझ जाते हैं कि कौन-सा एक्शन असली है और कौन-सा बॉडी डबल ने किया है। जब आप खुद करते हैं, तो दर्शकों से अलग कनेक्शन बनता है। मेरे पिता आज भी खुद स्टंट्स करते हैं। मैं उन्हें मना करता हूं, लेकिन उसमें एक अलग आकर्षण होता है। 'पेद्दी' ने मुझे भीतर से बहुत प्रेरित किया है।

पिता चिरंजीवी ने कहा कि ऐसी फिल्में दशकों में एक बार बनती हैं। यह सुनकर क्या महसूस हुआ?

जब इतने बड़े कलाकार और आपके पिता ऐसा कहते हैं, तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसा लगता है कि कंधों पर वजन और बढ़ गया है। मैंने इस फिल्म के लिए करीब 13-14 महीने मेहनत की। कई महीनों तक पूरी तरह वेजिटेरियन डाइट फॉलो की।

खुद को स्वीकार करना ही सच्ची स्प्रिचुअलिटी है

सारा अली खान बेबाक हैं, बिंदास हैं, साथ ही प्रतिभा की धनी भी। अभिनय के मामले में उन्होंने अपनी खानदानी परंपरा को आगे बढ़ाया और खुद को साबित किया। कई भूमिकाओं में सराही गई सारा को उनकी पिछली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में उनके काम को खूब तारीफ मिली थी। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर। इस खास मुलाकात में उन्होंने अपने अध्यात्म, होने वाले जीवनसाथी, अपनी मां, ट्रोल्स, अपने बेबाक अंदाज जैसे कई मुद्दों पर बेधड़क होकर बात की।

सारा इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो अपनी स्प्रिचुअल जर्नी के लिए भी जानी जाती हैं। आप अकसर उन्हें मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में अपना भक्तिभाव लुटाते देखते हैं। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में वह कहती हैं, 'हां, मैं स्प्रिचुअल हूं, मगर इसी के साथ आपको अपने आप को भी स्वीकार करना जरूरी होता है। फिर आप वो चाहे जैसे करो। आप अपने माता-पिता के जरिए करो, अपने वर्कआउट के जरिए करो या किसी और रास्ते, मगर खुद को स्वीकारना और स्वयं के साथ सहज होना बहुत आवश्यक है। देखिए, वही मेरी निजी जिंदगी है। मैं मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में जाकर बेहतर महसूस करती हूं, इसीलिए बार-बार जाती हूं। मुझे पहाड़ों पर जाकर बहुत सुकून मिलता है। कई बार वो पहाड़ रिलिजियस भी होते हैं, मगर पहाड़ मुझे हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं।'

अपनी मां जैसी तिनका भर बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात

अपने करियर में सारा कई फिल्मों में पत्नी और प्रेमिका की भूमिका निभा चुकी हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि जीवनसाथी के रूप में वह किस तरह के शख्स को चाहेंगी? तो वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'एक अच्छे इंसान की तलाश है मुझे। अगर आप बहुत अच्छे इंसान हैं, तो मुझे ष्शरूकर सकते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए अच्छे इंसान की परिभाषा यही है कि वह अपने आप में संतुष्ट हो, आत्मविश्वासी हो और अपने काम से प्यार करने वाला हो। मेरे लिए ये अहम है। बाकी के और गुण भी हों, तो बढ़िया है। मगर साथ में सही समय का होना जरूरी है।' मां अमृता सिंह को लेकर सारा अली खान भावुक सभी जानते हैं कि सारा की जिंदगी में उनकी मां अमृता सिंह अहम स्थान रखती हैं। अपनी मां के बारे में बात करते हुए वह थोड़ी भावुक हो जाती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'मुझे लगता है, हम सब इस दुनिया में अपनी मांओं की वजह से हैं। मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि अपनी मॉम की तिनके भर जितनी भी इंसान बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात होगी। वे मेरी ताकत हैं, जिंदगी हैं।'

कोई बेरोजगार बंदा ही ट्रोलिंग करता होगा

दूसरे कई कलाकारों की तरह सारा भी ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। मगर अब सारा ने हेटर्स से डील करना सीख लिया है। वह कहती हैं, 'मैं भी मानती हूं कि सोशल मीडिया की अकाउंटेबिलिटी के लिए यूजर्स को अपने आधार कार्ड या कोई भी ऑफिशियल पेपर्स जमा कराने चाहिए, मगर दूसरी तरफ मुझे ये भी पता है कि ऐसा नहीं होने वाला, तो जब ऐसा नहीं होने वाला, तो दूसरों के बजाय खुद को रेगुलेट करना मेरे लिए आसान है। सुनने में बुरा लगे, मगर यह कोई बेरोजगार बंदा है, जो अपनी जिंदगी में खुश नहीं है और इसीलिए वो ऊटपटांग चीजें कह रहा है।

मैं इनसिक्योर अभिनेत्री नहीं हूं

आम तौर पर जब भी कोई कलाकार मल्टीस्टारर फिल्म में काम करता है, तो एक सवाल तो रहता ही है कि उसे कितना स्क्रीन स्पेस मिलेगा? क्या सारा को ऐसी कोई इंसिक्योरिटी सताती है? इस पर वह कहती हैं, 'मैं इन मामलों में कभी इनसिक्योर नहीं होती। मेरा सीधा-सा फंडा है कि आपको खुद पर यकीन होना चाहिए और अपने निर्देशक पर भी। आपको ये विश्वास होना चाहिए कि आप अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगी। आपको साथ ही ये भी सोचना होता है कि सब अपना-अपना काम अच्छे ढंग से करें, ताकि फिल्म को फायदा हो। एक्टर्स को ये सिक्योरिटी और विश्वास रखना जरूरी है।' 'पति पत्नी और वो दो' से पहले मैंने 'मेट्रो...' जैसी कई कलाकारों वाली फिल्म में भी काम किया और तब भी मैं सिर्फ अपने रोल के बारे में नहीं सोचा। मैं कभी ऐसा नहीं सोचती कि मुझे एक हीरोइन वाली फिल्म में ही काम करना है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।